www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

आपका भरोसा, हमारी ताकत

RNI No. : DELHIN/2016/70240

2 नाम है बोर्ड ऑफ पीस, मगर इसने दुनिया...

3 भा.कृ.अनु.प. गन्ना प्रजनन संस्थान, करनाल में...

4 बच्चों में त्वचा संबंधी दिक्कतें...

वर्ष: 10 | अंक: 91 | दिल्ली, शुक्रवार, 23 जनवरी 2026 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

निर्वाचन आयोग का नया ऐप जारी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने मतदाताओं, अधिकारियों और राजनीतिक दलों के लिए एक नया डिजिटल ऐप जारी किया और कहा कि यह भ्रामक सूचना का मुकाबला करने का एक हथियार है। उन्होंने यहां एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने वाले देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों को उनकी भाषाओं में और उनके कानूनों के अनुसार इसी तरह का उपकरण विकसित करने में सहायता की पेशकश की। कुमार ने बताया कि सम्मेलन के दौरान विभिन्न चुनाव प्रबंधन निकायों के प्रमुखों ने भ्रामक सूचना के विषय पर चिंता व्यक्त की थी। उन्होंने ईसीआईनेट को गलत सूचनाओं के प्रसार की चुनौती से निपटने के लिए एक औजार करार दिया क्योंकि इस पर चुनाव संबंधी सभी तथ्य उपलब्ध हैं। ईसीआईनेट अपने 40 से अधिक मौजूदा मोबाइल और वेब एप्लिकेशन को एकीकृत करेगा तथा सभी चुनाव-संबंधी गतिविधियों के लिए एक एकल मंच प्रदान करेगा। यह नया प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ताओं पर कई ऐप डाउनलोड करने, नेविगेट करने और विभिन्न लॉगिन याद रखने के बोझ को कम करेगा।

राहुल गांधी ने मनरेगा के लिए लोगों से एकजुट होने का आह्वान किया

नई दिल्ली (एजेन्सी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम की जगह लाए गए विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम को लेकर बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी तथा केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और लोगों का आह्वान किया कि वे सरकार के इस कदम के खिलाफ एकजुट होकर खड़े हों। उन्होंने कांग्रेस के प्रकोष्ठ रचनात्मक कांग्रेस द्वारा आयोजित कार्यक्रम मनरेगा बचाओ मोर्चा में यह आरोप भी लगाया कि भाजपा एक ऐसा हिंदुस्तान चाहती है जहां एक राजा सारे फैसले करे। राहुल गांधी ने कहा, मनरेगा की परिकल्पना गरीबों को रोजगार देने के अधिकार का कानून था... इसमें लोगों और मजदूरों की आवाज थी। इस योजना ने हर गरीब व्यक्ति को 100 दिनों के रोजगार की गारंटी दी थी। उन्होंने कहा कि अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा इसे खत्म करना चाहते हैं। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने निरस्त हो चुके कृषि कानूनों का उल्लेख करते हुए कहा कि किसानों ने दबाव डालकर कानूनों को रद्द करवाया था तथा उन्होंने मजदूरों को रास्ता दिखाया है।

भारत की क्रिटिकल मिनरल्स वैल्यू चेन को सुरक्षित करने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग की अहम भूमिका-अश्विनी वैष्णव

संजना भारती/पीआईबी

दावोस। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी, रेल और सूचना एवं प्रसारण मंत्री, अश्विनी वैष्णव ने दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) में अपनी बैठकों के दौरान भारत के प्रति बढ़ते वैश्विक विश्वास और एक भरोसेमंद वैल्यू-चेन पार्टनर के रूप में भारत के उभरने पर विशेष जोर दिया।

श्री वैष्णव ने कहा कि दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठकें भारत की ग्रोथ स्टोरी को और मजबूती प्रदान करती हैं। उन्होंने बताया कि इंफ्रास्ट्रक्चर, प्रौद्योगिकी, लॉजिस्टिक्स, विनिर्माण और उभरते क्षेत्रों में भारत के साथ साझेदारी करने के लिए ग्लोबल लीडर्स की ओर से निरंतर रुचि दिखाई जा रही है। चर्चा के दौरान, टेमासेक के अध्यक्ष तेओ ची हियान ने भारत में टेमासेक की मौजूदगी बढ़ाने में रुचि व्यक्त की। उन्होंने भारत के फिजिकल और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर ढांचे के साथ-साथ डीप-टेक स्टार्टअप्स में निवेश करने की सिंगापुर की प्रतिबद्धता को दोहराया। इसके अलावा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और साइबर सुरक्षा क्षेत्र के दिग्गजों के साथ हुई बातचीत भारत की एक भरोसेमंद वैल्यू-चेन पार्टनर के रूप में बढ़ती साख को दर्शाती है।

श्री वैष्णव ने रेखांकित किया कि दावोस में हुई सभी बैठकों में भारत के प्रति वैश्विक विश्वास स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। मार्सक शिपिंग, पोर्ट और रेलवे के लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए भारत के साथ सक्रिय रूप से काम कर रहा है और सेमीकंडक्टर सामग्री के क्षेत्र में भी सहयोग कर रहा है। वहीं, हनीवेल भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण में भागीदारी कर रहा है और देश में अपने मैन्युफैक्चरिंग ऑपरेशन के विस्तार में गहरी रुचि व्यक्त की है।

श्री वैष्णव ने डब्ल्यूईएफ में गूगल डीपमाइंड के सीईओ और सह-संस्थापक डेमिस हसाबिस और ओपनएआई के चीफ ग्लोबल अफेयर्स ऑफिसर क्रिस लेहने से भी मुलाकात की। श्री वैष्णव ने वैश्विक कल्याण के लिए एआई को आकार देने में भारत की बढ़ती भूमिका पर चर्चा की। उन्होंने एआई लीडर्स को फरवरी 2026 में नई दिल्ली में आयोजित होने वाले एआई इम्पैक्ट समिट में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। दावोस में अपने कार्यक्रमों के दौरान चर्चा करते हुए, श्री वैष्णव ने कहा कि वैश्विक उथल-पुथल के इस दौर में, जहाँ पुराने नियम और गठबंधन बदल रहे हैं, भारत को एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने भारत को एक ऐसे जीवंत लोकतंत्र के रूप में परिभाषित किया जो परिणाम देता है और समावेशी विकास पर केंद्रित नेतृत्व प्रदान करता है। उन्होंने आगे कहा कि विभिन्न बैठकों और चर्चाओं में भारत के प्रति एक निरंतर विश्वास दिखाई दिया है—एक ऐसा देश जिसके साथ वैश्विक भागीदार सहजता से काम कर सकते हैं और नई तकनीकों का सह-निर्माण व सह-विकास कर सकते हैं। महत्वपूर्ण खनिजों (क्रिटिकल मिनरल्स) के विषय पर श्री वैष्णव ने कहा कि इसकी वैल्यू चेन अत्यंत जटिल है और इसके लिए कई चरणों में समन्वित भागीदारी की आवश्यकता है, विशेष रूप से इनकी रिफाइनिंग और प्रोसेसिंग के क्षेत्र में। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि क्रिटिकल मिनरल की एक मजबूत और सुरक्षित वैल्यू चेन सुनिश्चित करने के लिए सार्थक अंतरराष्ट्रीय सहयोग अनिवार्य है। उन्होंने उल्लेख किया कि भारत के पास पहले से ही जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप और अमेरिका के साथ सहयोग के मजबूत आधार मौजूद हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि ये साझेदारियां महत्वपूर्ण मिनरल इकोसिस्टम को सशक्त बनाने में विशेष भूमिका निभा सकती हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर चर्चा करते हुए, श्री वैष्णव ने एआई स्टैक के प्रति भारत के व्यापक दृष्टिकोण को रेखांकित किया, जिसमें एप्लीकेशन और मॉडल से लेकर चिप, इंफ्रास्ट्रक्चर और एनर्जी तक सब कुछ शामिल है।

अगले एक हजार साल तक पूरे विश्व में बजेगा भारत और सनातन धर्म का डंका: योगी आदित्यनाथ

बेटियों के साथ खिलवाड़ सहन नहीं: मुख्यमंत्री

संजना भारती संवाददाता

सोनीपत/लखनऊ। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लव जिहाद, अवैध धर्मांतरण तथा राष्ट्रविरोधी षड्यंत्रों में लिप्त तत्वों को सख्त चेतावनी दी कि हमारी बेटियों के साथ किसी तरह का खिलवाड़ सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अवैध गतिविधियों के प्रति समाज को जागरूक रहना होगा तथा इनका प्रतिकार करने के लिए पूज्य साधु-संतों को भी आगे आना होगा।

गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ गुरुवार को हरियाणा के सोनीपत जिले में मुरथल स्थित बाबा नागे वाला धाम में आयोजित नाथ संप्रदाय के मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा एवं आठ मान के भव्य भंडारा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। सीएम ने यह भी कहा कि कई कालनेमि धर्म की आड़ में सनातन धर्म को हानि पहुंचा रहे हैं, इनसे भी सतर्क रहना होगा।

एक योगी के लिए, एक संत के लिए, एक सन्यासी के लिए, धर्म व राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं होता। यही उसके जीवन का ध्येय होना चाहिए। उसकी व्यक्तिगत प्रॉपर्टी कुछ नही होती। धर्म ही उसकी प्रॉपर्टी है, राष्ट्र ही उसका स्वाभिमान होता है। अगर कोई राष्ट्रीय स्वाभिमान को चुनौती देता है तो हमें खुलकर उसके सामने आकर खड़े हो जाना चाहिए। ऐसे बहुत कालनेमि होंगे, जो धर्म की आड़ में सनातन धर्म को कमजोर करने की साजिश रच रहे होंगे, हमें उनसे सतर्क रहना होगा।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अवैध धर्मांतरण और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों को पूरी तरह नियंत्रित किया जाएगा। इसके साथ ही डेमोग्राफी बदलने की जो साजिश हो रही है, लव जिहाद के नाम पर हमारी बेटियों के साथ जो खिलवाड़ किया जा रहा है। हम उसे रोकेंगे, पूरी शक्ति से रोकेंगे, जागरूकता से रोकेंगे। समाज के जागरूक लोगों और पूज्य संतों को भी इसके लिए आगे बढ़ना होगा। परिवारों को सुसंस्कृत किया जाएगा। सीएम ने कहा कि याद करिए, वर्ष 2009 में केरल के माननीय उच्च न्यायालय ने कहा था कि लव जिहाद केरल जैसे राज्य को इस्लामी राज्य बनाने की साजिश का हिस्सा है। आज जब मैं देखता हूं तो तमाम राज्यों में बड़े पैमाने पर ये षड्यंत्र हो रहे हैं।

हमारी संयुक्त परिवारों की परंपरा पहले संस्कारित होकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती थी, लेकिन धीरे-धीरे यह परंपरा विखंडित होती दिखाई दे रही है। इसे पुनः जीवित करने की आवश्यकता है।

प्रधानमंत्री को उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने दिया धन्यवाद

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, लखपति दीदियो को दिल्ली में कर्तव्य पथ पर आयोजित परेड कार्यक्रम में प्रतिभाग करने हेतु आज लखनऊ से करेंगे रवाना

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यह उत्तर प्रदेश के लिए अत्यंत गौरव का विषय है कि कर्तव्य पथ, दिल्ली में गणतंत्र दिवस की ऐतिहासिक परेड में प्रदेश की 14 'लखपति दीदियों' को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी ने इन महिलाओं को राष्ट्रीय सम्मान देकर यह सिद्ध कर दिया है कि 'नारी शक्ति' विकसित भारत के संकल्प की मुख्य धुरी है।

श्री मौर्य ने कहा है कि देश की राजधानी दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में कर्तव्य पथ पर प्रतिभाग के लिए समूह की दीदियों को आमंत्रित किया जाना उत्तर प्रदेश के लिए गौरव की बात है, उन्होंने इन दीदियों को भी बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। इन दीदियों को उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा अपने कैम्प कार्यालय 7-कालिदास मार्ग लखनऊ से 23 जनवरी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जायेगा।

श्री मौर्य ने अंत में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विजन के कारण आज गांव की बेटियां और बहुएं 'ड्रोन दीदी' और 'लखपति दीदी' बनकर देश के निर्माण में अपना योगदान दे रही हैं। यह सम्मान प्रदेश की अन्य करोड़ों महिलाओं

के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। इन दीदियों ने खेती, डेयरी, बीसी सखी और छोटे उद्योगों के माध्यम से अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी लाखों महिलाओं के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव आया है।

उप मुख्यमंत्री ने ग्राम्य विकास विभाग के सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह सम्बन्धित जिलों की चयनित दीदियों से समन्वय बनाकर उन्हें समय से दिल्ली भेजने व वापस लाने आदि आवश्यक व्यवस्थाएं निदेर्शानुसार सुनिश्चित करें।

दीप रंजन, निदेशक, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से प्राप्त जानकारी के अनुसार 14 लखपति दीदियों मे गोरखपुर की मन्शा देवी, (गतिविधि-ई-रिक्शा उद्यम एवं ई-रिक्शा ट्रेनर) व राजकुमारी देवी (गतिविधि-पशुपालन- श्री बाबा गोरखनाथ कृपा दुग्ध उत्पादक संघ से सम्बद्ध), झांसी की प्रवेश कुमारी (गतिविधि-पशु आहार उत्पादन इकाई), बिजनौर की रितु देवी, (गतिविधि विदुर कैफे संचालन) व सुमन देवी (प्रेरणा कैफे) कौशाम्बी की सरिता देवी (ई-रिक्सा आधारित उद्यम, सेफ मोबिलिटी परियोजना), अलीगढ़ की ऋतु शर्मा (मशाला निर्माण एवं बिक्री), चित्रकूट की निर्मला देवी (दुग्ध व्यवसाय, बुन्देलखण्ड मिल्क प्रोड्यूसर कम्पनी से सम्बद्ध), इटावा की मन्त्रवती शाक्य (उन्नत कृषि) व विजेता गोयल (ब्यूटी पार्लर, जन सुविधा केन्द्र आदि), सम्भल की अनुपमा सिह (गोआधारित उत्पाद व अन्य कार्य) व मोनिका (सौन्दर्य प्रसाधन निर्माण) रायबरेली की गुड़िया देवी (दुग्ध व्यवसाय), तथा देवरिया की आशा (प्रेरणा कैण्टीन), हैं जो 23 जनवरी को दिल्ली के लिए लखनऊ से प्रस्थान करेंगी।

गणतंत्र दिवस से पहले आतंक पर करारा प्रहार

जम्मू कश्मीर (एजेन्सी)। गणतंत्र दिवस से पहले जम्मू कश्मीर एक बार फिर आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक मोर्चे पर खड़ा दिखाई दे रहा है। सुरक्षा बलों ने साफ संकेत दे दिए हैं कि इस बार किसी भी साजिश को पनपने का अवसर नहीं दिया जाएगा। जम्मू शहर से लेकर किश्तवाड़ और शोपियां तक चल रहे सघन तलाशी अभियानों ने आतंकियों की कमर तोड़ दी है और उनके मददगार तंत्र में खलबली मचा दी है। हम आपको बता दें कि जम्मू के बाहरी इलाकों-भाटिंडी नारवाल और राजीव नगर में पुलिस और केंद्रीय बलों ने घर घर तलाशी अभियान चलाया। गणतंत्र दिवस को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए यह कार्रवाई बेहद सख्त और सुनियोजित रही। सीमा क्षेत्रों और राजमार्गों पर निगरानी बढ़ाई गई है ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि को समय रहते रोका जा सके। सुरक्षा एजेंसियां साफ कर चुकी हैं कि राष्ट्र विरोधी ताकतों के लिए अब कोई नरमी नहीं है। किश्तवाड़ जिले के ऊंचाई वाले जंगलों में हालात और भी गंभीर रहे। चतरू क्षेत्र के सोनार और मंद्रल सिंहपोरा में आतंकियों की मौजूदगी की पुख्ता सूचना के बाद सेना ने अतिरिक्त जवान तैनात किए। ऑपरेशन त्राशी एक के तहत चल रहे इस अभियान में जवानों ने दुर्गम इलाकों में भी मोर्चा संभाले रखा। रविवार से शुरू हुई मुठभेड़ में एक वीर पैराट्रूपर शहीद हुआ और कई जवान घायल हुए लेकिन अभियान रुका नहीं। आतंकियों द्वारा छिपकर किए गए ग्रेनेड हमले और लगातार गोलीबारी के बावजूद सुरक्षा बलों ने दबाव बनाए रखा। मुठभेड़ स्थल के पास एक बड़ा आतंकी ठिकाना उजागर होना इस बात का प्रमाण है कि आतंकी संगठन गहरी साजिश के साथ इलाके में जड़ें जमाने की कोशिश कर रहे थे।

नीतीश कुमार ने 157 करोड़ रुपए की 40 योजनाओं का किया शिलान्यास, 45 करोड़ रुपए की 31 योजनाओं का किया उद्घाटन

सीवान जिले को दी 202 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात

स्थानीय सम्पादक राकेश कुमार गुप्ता

सिवान। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने समृद्धि यात्रा के क्रम में गुरुवार को सीवान जिले में विभिन्न विकासात्मक योजनाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से प्रगति यात्रा के दौरान की गई घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में जानकारी ली और कार्य तेजी से पूर्ण करने का निर्देश दिया।

जायजा के क्रम में मुख्यमंत्री ने राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल में नवनिर्मित सुविधाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल सिवान के प्रांगण में सीवान जिले की 202 करोड़ रुपये की लागत से कुल 71 विकासात्मक योजनाओं का रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें 157 करोड़ रुपए की 40 योजनाओं का शिलान्यास एवं 45 करोड़ रुपये की 31 योजनाओं का उद्घाटन शामिल है।

मुख्यमंत्री ने राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल के प्रांगण में विभिन्न विभागों द्वारा सीवान जिले में संचालित विकासात्मक एवं कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के क्रम में मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के लाभुकों को सांकेतिक चेक, स्वीकृति प्रमाण पत्र प्रदान किया। मुख्यमंत्री द्वारा तेल प्रसंस्करण इकाई हेतु सूर्यान्स एफ०पी०ओ० को 9 लाख 90 हजार रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई। साथ ही फार्म मशीनरी बैंक के लिए मुकेश कुमार, ग्राम कयलगढ़ बढ़ेरिया को 8 लाख रुपये की अनुदान राशि का चेक प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त झोपड़ी मशरूम इकाई हेतु धर्मेंद्र राम को 89,750 रुपये की अनुदान राशि प्रदान की गई।

कृषि सखियों ने मुख्यमंत्री का अभिनंदन करते हुए कहा कि वे सभी प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने हेतु किसानों को निरंतर जागरूक कर रही हैं। सरकार द्वारा उन्हें 5 हजार रुपये प्रतिमाह की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा रही है। इस प्रकार सीवान जिले के 11 प्रखंडों में कुल 23 कृषि सखियों को 5 हजार रुपए प्रतिमाह की दर से प्रोत्साहन राशि दी जा रही है, इसके लिए हम सभी मुख्यमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय, बिहार राज्य शिया वक्फ बोर्ड के चेयरमैन इरशाद अली आजाद, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक अभियान, विशेष कार्य बल सह पुलिस महानिदेशक विशेष शाखा कुंदन कृष्णन, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ० चंद्रशेखर सिंह, सारण प्रक्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक निलेश कुमार, जिलाधिकारी विवेक रंजन मैत्रेय, पुलिस अधीक्षक पूरन कुमार झा सहित विभिन्न विभागों के प्रधान सचिव एवं सचिव के साथ अन्य गणमान्य व्यक्त एवं वरीय अधिकारी उपस्थित रहें।

मुख्यमंत्री सैनी ने 8 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले आल वेदर स्वीमिंग पूल की रखी आधारशिला

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कहा कि ओलंपिक में पदक जीतने के लिए प्रदेश के खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर हरियाणा सरकार की तरफ से उपलब्ध करवाया जा रहा है। प्रदेश में छिपी खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए सरकार की तरफ से खेल नर्सरी के साथ-साथ अन्य खेल केन्द्र भी बनाए गए हैं। सरकार ने खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई हैं जिसके चलते खिलाड़ी देश के लिए सबसे ज्यादा मेडल जीतकर ला रहे हैं। मुख्यमंत्री वीरवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के खेल प्रांगण में

विश्वविद्यालय प्रशासन की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में खिलाड़ियों से बातचीत कर रहे थे। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने खेलो इंडिया योजना के तहत 8 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले आल वेदर स्विमिंग पूल के प्रोजेक्ट का शिलान्यास भी किया।

भूमि का उपयोग दिव्यांगजनों एवं वंचित वर्गों के स्किल डेवलपमेंट एवं ट्रेनिंग प्रोग्राम संचालित करने के लिए करें: रविन्द्र इंद्राज

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने बुराड़ी के सलेमपुर माजरा गांव में समाज कल्याण विभाग को आवंटित भूमि का निरीक्षण किया। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग एवं राजस्व विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भूमि पर मौजूद सभी प्रकार के अतिक्रमण को तत्काल प्रभाव से हटाया जाए। साथ ही भूमि का शीघ्र डिमार्केशन कराया जाए, सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए जाएं तथा

नियमित रख-रखाव सुनिश्चित किया जाए। भविष्य में अतिक्रमण की पुनरावृत्ति रोकने के उद्देश्य से उन्होंने भूमि के चारों ओर बाउंड्री वॉल के निर्माण के भी निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, माननीय मंत्री ने आज समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत दिल्ली-7 क्षेत्र के अंधा मुगल स्थित मास्टर प्रभुदयाल मल्टीपरपज कम्युनिटी सेंटर का भी दौरा किया। मंत्री ने निर्देश दिए कि इस कम्युनिटी सेंटर का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली एससी/एसटी/ओबीसी वित्त एवं विकास निगम के माध्यम से एक ठोस प्रस्ताव तैयार किया जाए, ताकि यहां दिव्यांगजनों एवं वंचित वर्गों के लिए स्किल डेवलपमेंट एवं ट्रेनिंग प्रोग्राम संचालित किए जा सकें।

इस अवसर पर समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इंद्राज ने कहा कि दिल्ली सरकार समाज कल्याण विभाग की प्रत्येक सरकारी संपत्ति की सुरक्षा, संरक्षण और जनकल्याणकारी उपयोग के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

पंजाब में केजरीवाल और भगवंत सिंह मान ने पूरी की स्वास्थ्य गारंटी

एसबी संवाददाता

साहिबजादा अजीत सिंह नगर (मोहाली)। आम आदमी पार्टी (आप) ने पंजाब में मुफ्त स्वास्थ्य सुविधा के अपने वादे को पूरा करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय कन्वीनर अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मोहाली में 'मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना' की शुरूआत की, जिससे राज्य के हर परिवार को 10 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। इस योजना के लागू होने से अमीरों की पहुंच में आने वाले सबसे महंगे निजी अस्पताल भी गरीबों के लिए खोल दिए गए हैं, जो लोक सेवा में निर्णायक बदलाव है। आम आदमी पार्टी की सरकार के अधीन पंजाब अब देश का

पहला राज्य बन गया है जिसने महिलाओं के लिए मुफ्त स्वास्थ्य सुविधा, मुफ्त शिक्षा, मुफ्त बिजली और मुफ्त बस यात्रा की गारंटी दी है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सत्ता की भूखी विपक्षी पार्टियां आपसी लड़ाइयों में डूबी रहती हैं और सिर्फ 'आप' ही पंजाब का भविष्य सुरक्षित कर सकती है।

सम्पादकीय

सेवानिवृत्ति पर सुनीता विलियम्स का संदेश

भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स इन दिनों भारत दौरे पर हैं। 22 से 25 जनवरी तक चलने वाले केरल साहित्य महोत्सव में शामिल होने के लिए सुनीता देश आई हुई हैं। 20 जनवरी को सुनीता विलियम्स ने दिल्ली के अमेरिकन सेंटर में 'आंखें सितारों पर, पैर जमीं पर' सेमिनार में हिस्सा लिया, इस दौरान उन्होंने एक अहम बात कही कि इस समय दुनिया में अंतरिक्ष को लेकर एक तरह की होड़ चल रही है। कई देश चांद और अंतरिक्ष में आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। लक्ष्य सिर्फ पहले पहुंचना नहीं है, बल्कि यह है कि इंसान सुरक्षित, टिकाऊ और लंबे समय तक रहने लायक तरीके से चांद पर जाए। उन्होंने यह भी कहा कि यह काम सबके फायदे, सहयोग और पारदर्शिता के साथ, लोकतांत्रिक तरीके से किया जाना चाहिए, ताकि किसी एक देश का दबदबा न हो और पूरी मानवता को इसका लाभ मिले। एक अनुभवी अंतरिक्ष यात्री के तौर पर सुनीता विलियम्स की यह बात उन तमाम सरकारों और अंतरिक्ष को अपने कारोबार का हिस्सा बनाने वाले धनपशुओं को सुननी चाहिए, जिनके लिए अंतरिक्ष भी धन कमाने और दुनिया पर दबदबा बनाने का जरिया बन गया है। जबकि शोध और अनुसंधान के नाम पर इस ब्रह्मांड से खिलवाड़ का हक उन्हें नहीं है। सुनीता विलियम्स का यह दौरा भारत के लिए खुशी का अवसर है। अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियां समूची मानवता को गौरवान्वित करने वाली हैं, देश इस बात पर और गर्व कर सकता है कि सुनीता विलियम्स की जड़ें भारत से जुड़ी हैं। खास बात ये है कि सुनीता विलियम्स ऐसे वक्त भारत आई हैं, जब नासा से उनकी सेवानिवृत्ति होने की सूचना आई है। अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा में 27 साल की सेवाएं देने के बाद 27 दिसंबर, 2025 को सुनीता विलियम्स सेवानिवृत्त हुई हैं। उनका अंतिम मिशन मार्च 2025 में पृथ्वी पर लौटने के साथ पूरा हुआ। इसके बाद उन्होंने यह फैसला लिया कि अब नयी पीढ़ी के अंतरिक्ष यात्रियों के लिए रास्ता खोलने का समय आ गया है। सुनीता का कहना है कि अंतरिक्ष उनका 'सबसे पसंदीदा स्थान' रहा है, लेकिन अब चांद और मंगल की ओर बढ़ते मानव मिशनों में उनकी भूमिका एक प्रेरणा के रूप में रहेगी। एक अंतरिक्ष यात्री के तौर पर सुनीता विलियम्स का जीवन साहस, भरोसे और वैज्ञानिक समर्पण की मिसाल है। उनका रिटायरमेंट किसी डर का नतीजा नहीं, बल्कि एक गौरवशाली अध्याय के सम्मानजनक समापन की कहानी है। यहां डर की बात इसलिए क्योंकि डेढ़ साल पहले जून 2024 में जब महज 8 दिनों के मिशन पर सुनीता बोइंग के स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष के लिए रवाना हुई तो 8 दिन करीब 9 महीनों तक खिंच गए। लेकिन धरती के पार अंतरिक्ष में बैठी सुनीता विलियम्स ने अद्भुत हिम्मत के साथ इस मिशन को भी पूरा किया। यह स्टारलाइनर का पहला क्रू मिशन था और इसे एक टेस्ट फ्लाइट के तौर पर देखा जा रहा था, लेकिन तकनीकी खराबियों के चलते मिशन तय समय पर पूरा नहीं हो सका। हालात ऐसे बने कि स्टारलाइनर बिना क्रू के वापस लौट आया और सुनीता विलियम्स को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर ही रुकना पड़ा। इस दौरान सोशल मीडिया और कुछ अंतरराष्ट्रीय मीडिया में यह चर्चा शुरू हो गई कि क्या सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष में 'फंस' गई हैं। अंग्रेजी वेबसाइट एनडीटीवी के साथ बातचीत में जब उनसे इस बारे में पूछा गया कि क्या उन्होंने खुद को फंसा हुआ महसूस किया, तो उन्होंने साफ कहा, 'मैं खुद ऐसा महसूस नहीं करती। मुझे प्रक्रिया पर पूरा भरोसा है' हम स्पेसक्राफ्ट कैसे बनाते हैं, कैसे लॉन्च करते हैं और कैसे फैसले लेते हैं। नासा के मुताबिक स्टारलाइनर मिशन में आई दिक्कतें भविष्य के कमर्शियल स्पेस मिशनों के लिए अहम सबक साबित हुई हैं। खुद सुनीता ने कहा कि वे पहले से जानती थीं कि यह एक टेस्ट फ्लाइट है और इसमें दिक्कतें आ सकती हैं। ऐसे में आईएसएस पर रुकना भी इसी योजना का ही हिस्सा था। सुनीता विलियम्स की केवल यही उपलब्धि नहीं है, बल्कि उनके नाम कई और रिकॉर्ड भी शामिल हैं। 1998 में नासा के लिए चुनी गई सुनीता विलियम्स ने तीन स्पेस मिशन में कुल 608 दिन अंतरिक्ष में बिताए, जो किसी भी नासा अंतरिक्ष यात्री के लिए दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। उन्होंने इस दौरान 9 स्पेसवॉक किए, जिनकी कुल अवधि 62 घंटे 6 मिनट रही। यह किसी भी महिला अंतरिक्ष यात्री द्वारा किया गया सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। वे अंतरिक्ष में मैराथन दौड़ने वाली दुनिया की पहली इंसान भी बनीं हैं। इसके साथ ही सुनीता विलियम्स आईएसएस की कमांडर भी रहीं जिसका मौका बहुत कम महिलाओं को मिला है। नासा के प्रशासक जेरेड आइजकमैन ने सुनीता विलियम्स की सेवानिवृत्ति पर कहा कि, 'सुनीता विलियम्स इंसानी स्पेसफ्लाइट में एक अग्रदूत रही हैं। विज्ञान और तकनीकी को आगे बढ़ाने में उनके काम ने चांद पर आर्टेमिस मिशन और मंगल की ओर बढ़ने की नींव रखी है।

जयंती

सुभाष चंद्र बोस

जन्म-23 जनवरी, 1897 ई., कटक, उड़ीसा, मृत्यु-18 अगस्त, 1945 ई., जापान, के अतिरिक्त भारत के इतिहास में ऐसा कोई व्यक्तित्व नहीं हुआ, जो एक साथ महान सेनापति, वीर सैनिक, राजनीति का अद्भुत खिलाड़ी और अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पुरुषों, नेताओं के समकक्ष साधिकार बैठकर कूटनीति तथा चर्चा करने वाला हो। भारत की स्वतंत्रता के लिए सुभाष चंद्र बोस ने करीब-करीब पूरे यूरोप में अलख जगाया। बोस प्रकृति से साधु, ईश्वर भक्त तथा तन एवं मन से देशभक्त थे। महात्मा गाँधी के नमक सत्याग्रह को 'नेपोलियन की पेरिस यात्रा' की संज्ञा देने वाले सुभाष चंद्र बोस का एक ऐसा व्यक्तित्व था, जिसका मार्ग कभी भी स्वार्थों ने नहीं रोका। जिसके पाँव लक्ष्य से कभी पीछे नहीं हटे, जिसने जो भी स्वप्न देखे, उन्हें साधा। नेताजी में सच्चाई के सामने खड़े होने की अद्भुत क्षमता थी।

पुण्यतिथि

नरेन्द्र मोहन सेन

जन्म-13 अगस्त, 1887, जलपाईगुड़ी, पश्चिम बंगाल, मृत्यु-23 जनवरी, 1963, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, भारत के प्रसिद्ध क्रांतिकारियों में से एक थे। अपनी शिक्षा बीच में ही छोड़कर ये 'अनुशीलन समिति' में शामिल हो गए थे। 'बारीसाल षड़यंत्र केस' में नरेन्द्र मोहन सेन को गिरफ़्तार किया गया था और फिर बाद में 1914 ई. में इन्हें नजरबंद कर दिया गया।

कल मिलेंगे

प्रेमी-अच्छा क्या लोगी तुम?
प्रेमिका-जो तुम कहो
प्रेमी-वेटर जरा मीनू लाना
प्रेमिका-मैं भी मीनू खाऊंगी
बेचारा ब्वॉयफ्रेंड बेहोश...

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

नाम है बोर्ड ऑफ पीस, मगर इसने दुनिया भर के नेताओं के मन की शांति छीन ली है

यूरोप का विरोध इसी डर से पैदा हुआ है। फ्रांस और नॉर्डिक देशों को आशंका है कि अगर बोर्ड ऑफ पीस को वैधता मिल गई तो संयुक्त राष्ट्र केवल एक औपचारिक संस्था बनकर रह जाएगी। इसके उलट मध्य पूर्व के कई देश इसे अवसर के रूप में देख रहे हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि इस मंच के जरिये वे सीधे अमेरिका के साथ अपने हित साध सकते हैं

-नीरज कुमार दुबे

दुनिया की कूटनीति एक बार फिर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इर्द गिर्द घूमने लगी है। इस बार कारण है उनका नया और विवादास्पद प्रस्ताव बोर्ड ऑफ पीस। देखा जाये तो इस बोर्ड के नाम में भले पीस शब्द हो लेकिन इसने दुनिया भर के नेताओं के मन में अशांति पैदा कर दी है। उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने इस प्रस्ताव को गाजा में स्थायी युद्धविराम, पुनर्निर्माण और दीर्घकालिक शांति की निगरानी के लिए पेश किया है, लेकिन वास्तविकता यह है कि यह बोर्ड अब केवल गाजा तक सीमित नहीं रहा। यह पहल धीरे धीरे एक ऐसे वैश्विक मंच का रूप ले रही है जो संयुक्त राष्ट्र जैसी बहुपक्षीय संस्थाओं की भूमिका को सीधी चुनौती देती दिखाई देती है।

हम आपको बता दें कि बोर्ड ऑफ पीस ट्रंप की बीस सूत्रीय गाजा शांति योजना का केन्द्रीय स्तम्भ है। इस बोर्ड में शामिल होने के लिए दुनिया भर के दर्जनों देशों को न्योता दिया गया है। खास बात यह है कि ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि इस बोर्ड की स्थायी सदस्यता के लिए न्यूनतम एक अरब डॉलर का योगदान अनिवार्य होगा। यानी शांति में भागीदारी अब नैतिक जिम्मेदारी नहीं बल्कि आर्थिक हैसियत से तय होगी।

अब तक मध्य पूर्व और एशिया के कई देशों ने इस बोर्ड में शामिल होने की हामी भरी है। सऊदी अरब, मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, जॉर्डन, तुर्की, इंडोनेशिया और पाकिस्तान जैसे देशों ने इस पहल को समर्थन देने का संकेत दिया है। इनके अलावा कुछ अफ्रीकी और मध्य एशियाई देशों ने भी भागीदारी के संकेत दिए हैं। इन देशों का तर्क है कि संयुक्त राष्ट्र की जटिल और धीमी प्रक्रियाओं के मुकाबले ट्रंप का मॉडल तेज और निर्णायक साबित हो सकता है। मगर यूरोप में इस बोर्ड को लेकर तस्वीर बिल्कुल उलटी है। फ्रांस, नॉर्वे, स्वीडन और स्लोवेनिया जैसे देशों ने साफ शब्दों में कहा है कि वह किसी ऐसे मंच का हिस्सा नहीं बनेंगे जो अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र की वैधता को कमजोर करे। जर्मनी और ब्रिटेन जैसे देश खुले तौर पर विरोध नहीं कर रहे लेकिन वह भी इस प्रस्ताव को लेकर असमंजस में हैं। इस तरह यूरोप दो खेमों में बंटता नजर आ रहा है, एक खेमा इसे अमेरिका केंद्रित शक्ति प्रदर्शन मानता है तो दूसरा इसे व्यावहारिक समाधान के रूप में देखने की कोशिश कर रहा है।

वहीं भारत का रुख अब तक संतुलित और सावधान रहा है। भारत को बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने का निमंत्रण जरूर मिला है लेकिन नई दिल्ली ने अभी तक कोई स्पष्ट सहमति नहीं दी है। भारत परंपरागत रूप से संयुक्त राष्ट्र आधारित बहुपक्षीय व्यवस्था का समर्थक रहा है। भारत इस बात का आकलन कर रहा है कि यह बोर्ड वास्तव में शांति का माध्यम बनेगा या केवल राजनीतिक दबाव और प्रभाव का नया औजार।

इसी बीच, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का बयान इस पूरे घटनाक्रम को और जटिल बना देता है। पुतिन ने कहा है कि अमेरिका में फ्रीज रूसी संपत्तियों में से एक अरब डॉलर बोर्ड ऑफ पीस को दिए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह रकम गाजा में युद्धविराम और पुनर्निर्माण की निगरानी के लिए इस्तेमाल की जा सकती है। पुतिन ने यह भी कहा कि बाकी फ्रीज संपत्तियों का उपयोग यूक्रेन में युद्ध समाप्त होने के बाद वहां के पुनर्निर्माण के लिए किया जा सकता है।

देखा जाये तो पुतिन का यह प्रस्ताव केवल उदारता नहीं बल्कि एक सोची समझी रणनीति है। दरअसल, अमेरिका में रूस की चार से पांच अरब डॉलर की संपत्ति फ्रीज है जो यूक्रेन के पुनर्निर्माण की जरूरतों के सामने नगण्य है। पुतिन का असली उद्देश्य ट्रंप को यह संदेश देना है कि रूस टकराव नहीं बल्कि सौदेबाजी चाहता है। यह प्रस्ताव ऐसे समय आया है जब ट्रंप रूस और यूक्रेन दोनों पर शांति प्रक्रिया में बाधा डालने के आरोप लगा चुके हैं और रूस के व्यापारिक साझेदारों पर नए प्रतिबंधों की धमकी भी दे चुके हैं। पुतिन ने साथ ही यह भी कहा है कि अमेरिका की अगुवाई वाले बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने पर कोई भी फैसला रणनीतिक साझेदारों से परामर्श के बाद ही लिया जाएगा। पुतिन ने बताया है कि रूस को भेजे गए प्रस्ताव में पश्चिम एशिया में समझौते, फिलस्तीन के लोगों की समस्याओं के संभावित समाधान खोजने तथा गाजा पट्टी में सबसे गंभीर मानवीय संकट को हल करने जैसी बातें प्रमुख हैं। उन्होंने कहा, "इस संदर्भ में, मैं सबसे महत्वपूर्ण बिंदु पर जोर देना चाहूंगा। अहम बात यह है कि पूरी प्रक्रिया फिलस्तीन-इजराइली संघर्ष के दीर्घकालिक समाधान पर सकारात्मक प्रभाव डालने वाली हो और यह संयुक्त राष्ट्र के संबंधित निर्णयों के आधार पर हो। देखा जाये तो ट्रंप का बोर्ड ऑफ पीस दरअसल शांति से ज्यादा शक्ति की राजनीति का नया प्रयोग है। यह पहल यह साफ करती है कि 21वीं सदी की वैश्विक राजनीति में शांति भी अब बाजार के नियमों पर चलेगी। जिसके पास पैसा है वही शांति की मेज पर बैठेगा और जिसके पास पैसा नहीं वह केवल फैसलों का पालन करेगा।

संयुक्त राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी सार्वभौमिकता रही है। वहां छोटे और बड़े देश एक ही मंच पर खड़े होते हैं। ट्रंप का बोर्ड इस अवधारणा को उलट देता है। यहां स्थायी सदस्यता धन से खरीदी जा सकती है। यह मॉडल अंतरराष्ट्रीय राजनीति को नैतिकता से हटाकर खुले सौदेबाजी के रास्ते पर ले जाता है।

यूरोप का विरोध इसी डर से पैदा हुआ है। फ्रांस और नॉर्डिक देशों को आशंका है कि अगर बोर्ड ऑफ पीस को वैधता मिल गई तो संयुक्त राष्ट्र केवल एक औपचारिक संस्था बनकर रह जाएगी। इसके उलट मध्य पूर्व के कई देश इसे अवसर के रूप में देख रहे हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि इस मंच के जरिये वे सीधे अमेरिका के साथ अपने हित साध सकते हैं।

भारत के लिए यह स्थिति बेहद नाजुक है। एक ओर वह वैश्विक मंचों पर बड़ी भूमिका चाहता है तो दूसरी ओर वह किसी ऐसे ढांचे का हिस्सा नहीं बनना चाहता जो नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को कमजोर करे। भारत का झुकाव फिलहाल प्रतीक्षा और मूल्यांकन की नीति की ओर दिखता है।

रूस की भूमिका इस पूरे खेल को और खतरनाक बना देती है। पुतिन बोर्ड ऑफ पीस को शांति मंच से ज्यादा सौदेबाजी के मंच के रूप में इस्तेमाल करना चाहते हैं। उनका प्रस्ताव यह दिखाता है कि वह फ्रीज संपत्तियों को भी कूटनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने को तैयार हैं। यह कदम रूस को प्रतिबंधों से राहत दिलाने की कोशिश भी है और अमेरिका के साथ सीधा संवाद बनाने की चाल भी। बहरहाल, सवाल यह है कि क्या बोर्ड ऑफ पीस वास्तव में शांति ला पाएगा या यह दुनिया को नए ध्रुवों में बांट देगा। फिलहाल जो संकेत हैं वह बताते हैं कि यह बोर्ड शांति से ज्यादा शक्ति संतुलन को बदलने का औजार बन सकता है। ट्रंप की यह पहल दुनिया को यह सोचने पर मजबूर कर रही है कि आने वाले समय में शांति किसी सिद्धांत से नहीं बल्कि सौदे से तय होगी।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

शांति का मुखौटा, सत्ता की रणनीतिः ट्रंप का वैश्विक विरोधाभास

भारत को गाजा में शांति प्रयासों में शामिल करने का प्रस्ताव भी इसी जटिलता को उजागर करता है। भारत का कूटनीतिक इतिहास बहुपक्षवाद, संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका और द्विराष्ट्र सिद्धांत के समर्थन से जुड़ा रहा है। भारत के इस्त्राइल से अच्छे संबंध हैं, तो अरब देशों में भी उसकी विश्वसनीयता बनी हुई है। लेकिन यदि शांति प्रक्रिया संयुक्त राष्ट्र को दरकिनार करती है, तो यह भारत की स्थापित कूटनीतिक परंपरा के अनुकूल नहीं होगा

-ललित गर्ग

नोबेल शांति पुरस्कार की उत्कट अभिलाषा में डूबे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का व्यक्तित्व और कार्यशैली वैश्विक राजनीति के लिए एक गहरी विडंबना एवं विरोधाभास बनकर उभरी है। शांति का मसीहा बनने का उनका दावा जितना आकर्षक दिखता है, उतना ही विरोधाभासी उनके कदमों का यथार्थ है। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में वे जहां शांति स्थापित करने का श्रेय लेना चाहते हैं, वहीं उनके निर्णय, वक्तव्य और नीतियां अक्सर युद्ध, अशांति, भय और अस्थिरता को जन्म देती दिखाई देती हैं। यह कैसी शांति है, जो बमों की गूंज, प्रतिबंधों की मार और नफरत की भाषा के साथ चलती है? यह कैसा शांति-दूत होने का नाटक है, जिसमें मानवता का रक्त बहता रहे और सत्ता अपने हित साधती रहे? गाजा में शांति स्थापना के लिए ट्रंप की प्रस्तावित योजना इसी विरोधाभास का नवीन उदाहरण है। इसे शांति से अधिक व्यापारिक सौदे की तरह प्रस्तुत किया गया, मानो दशकों से हिंसा, विस्थापन और अस्मिता के संकट से जूझ रहे लोगों का भविष्य किसी रियल एस्टेट या आर्थिक पैकेज से तय किया जा सकता हो।

अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका, स्थानीय जनता की सहमति और जवाबदेही-इन सबको दरकिनार कर शांति थोपने की यह कोशिश बताती है कि ट्रंप की दृष्टि में शांति कोई नैतिक या मानवीय मूल्य नहीं, बल्कि शक्ति-प्रदर्शन और राजनीतिक लाभ का औजार है। इस तरह बमों के साये में शांति का दावा डकोसला ही है, जिसमें शांति का सौदा एवं सत्ता की भूख ही दिखती है। ट्रंप की कथित शांति योजना, शांति के नाम पर वर्चस्व की राजनीति ही है। ऐसा लगता है शब्द अहिंसा के और कर्म हिंसा के है। ट्रंप संयुक्त राष्ट्र को अक्षम, पक्षपाती और नौकरशाही से ग्रस्त बताकर उसकी अवहेलना करते रहे हैं, जबकि सच यह है कि वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए बहुपक्षीय संस्थाओं का ढांचा अनिवार्य है। शक्तिशाली देशों को जब यह ढांचा अपने अनुकूल नहीं लगता, तो वे उसे कमजोर करने लगते हैं-ट्रंप इसी प्रवृत्ति का मुखर चेहरा हैं।

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित नए वैश्विक शांति संस्थान का विचार अपने आप में जितना आकर्षक शब्दों से सुसज्जित है, उतना ही अपने अंतर्विरोधों में उलझा हुआ भी है। शांति स्थापना के नाम पर एक ऐसी अंतरराष्ट्रीय संस्था खड़ी करने की कोशिश, जो संयुक्त राष्ट्र जैसे स्वीकृत बहुपक्षीय ढांचे को दरकिनार करती हो, वस्तुतः शांति से अधिक सत्ता-केंद्रित वर्चस्व की आकांक्षा को उजागर करती है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि जिस नेतृत्व की नीतियों का आधार हथियारों के निर्माण और बिक्री, सैन्य गठबंधनों के विस्तार, युद्ध की धमकियों और आर्थिक दंड के जरिये दुनिया पर दबाव बनाना रहा हो, वह अचानक शांति का नया ठेकेदार कैसे बन सकता है? ट्रंप की राजनीतिक सोच में शांति किसी मानवीय प्रतिबद्धता का नहीं, बल्कि सौदेबाजी, नियंत्रण और लाभ का साधन प्रतीत होती है। इसलिए उनके प्रस्तावित शांति संस्थान की उपयोगिता पर गंभीर संदेह खड़ा होता है। बिना वैधता, जवाबदेही और वैश्विक सहमति के खड़ी की गई कोई भी संस्था शांति का वाहक नहीं बन सकती; वह केवल शक्तिशाली देशों की इच्छाओं को थोपने का उपकरण या जरिया ही बनती है। इस संदर्भ में ट्रंप का यह प्रयास शांति की दिशा में एक ठोस पहल नहीं, बल्कि हिंसा-प्रधान नीतियों पर पर्दा डालने और वैश्विक शासन व्यवस्था पर अपनी पकड़ मजबूत करने का एक और षडयंत्र एवं कुचेष्टा ही दिखाई देता है।

ट्रंप की सोच में शांति का अर्थ संघर्षों का समाधान नहीं, बल्कि उन्हें अपने पक्ष में मोड़ना है। कभी वे संयुक्त राष्ट्र के समानांतर इस तरह की एक कथित शांति-व्यवस्था खड़ी करने की बात करते हैं, तो कभी ईरान पर युद्ध की धमकी देते हैं। एक ओर वे यूरोपीय देशों की तारीफ कर अपना प्रभाव जमाने का प्रयास करते हैं, दूसरी ओर उन्हीं देशों पर व्यापारिक प्रतिबंधों और सैन्य खर्च का दबाव डालते हैं। यह दोहरा आचरण और कथनी और करनी का भेद वैश्विक अस्थिरता को बढ़ाता है। शांति की भाषा बोलते हुए हथियारों की बिक्री, सैन्य गठबंधनों का विस्तार और आर्थिक दंड-ये सब उनकी नीतियों के अभिन्न अंग रहे हैं।

परिणामस्वरूप दुनिया एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां युद्ध की आहटें तेज हैं और मानवता अस्तित्व के मुहाने पर पहुंचती प्रतीत होती है। गाजा संकट के संदर्भ में यह और भी स्पष्ट हो जाता है कि बिना वैधता, सहमति और जवाबदेही के थोपी गई शांति कभी स्थायी नहीं होती। यदि नागरिकों की सुरक्षा, जीवन की गरिमा और राजनीतिक अधिकारों को नजरअंदाज किया जाए, तो कोई भी समझौता खोखला साबित होगा। ट्रंप का दृष्टिकोण इन मूलभूत सच्चाइयों को अक्सर अनदेखा करता है। आर्थिक वादों को राजनीतिक अधिकारों के विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना एक खतरनाक भ्रम है, जो जमीनी वास्तविकताओं के बोझ से ढह जाता है। शांति तभी टिकाऊ हो सकती है जब उसमें स्थानीय लोगों की वास्तविक आवाज शामिल हो, उनके दुख-दर्द को समझा जाए और न्यायपूर्ण समाधान की दिशा में ईमानदार पहल हो।

भारत को गाजा में शांति प्रयासों में शामिल करने का प्रस्ताव भी इसी जटिलता को उजागर करता है। भारत का कूटनीतिक इतिहास बहुपक्षवाद, संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका और द्विराष्ट्र सिद्धांत के समर्थन से जुड़ा रहा है। भारत के इस्त्राइल से अच्छे संबंध हैं, तो अरब देशों में भी उसकी विश्वसनीयता बनी हुई है। लेकिन यदि शांति प्रक्रिया संयुक्त राष्ट्र को दरकिनार करती है, तो यह भारत की स्थापित कूटनीतिक परंपरा के अनुकूल नहीं होगा। भारत ने हमेशा प्रत्यक्ष हस्तक्षेप के बजाय स्थिरता और संवाद को प्राथमिकता दी है। ऐसे में ट्रंप-प्रेरित पहल में शामिल होना भारत के लिए भी एक नैतिक और रणनीतिक चुनौती बन सकता है। वास्तव में ट्रंप की नीतियां एक ऐसे विश्व-दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करती हैं, जहां शक्ति ही सत्य है और नैतिकता केवल भाषणों तक सीमित है। उनकी बयानबाजी में नफरत और विभाजन की छाया साफ दिखती है। आप्रवासन, नस्ल, धर्म और राष्ट्रवाद के मुद्दों पर उनकी भाषा ने वैश्विक स्तर पर असहिष्णुता को बढ़ावा दिया। जब विश्व का सबसे शक्तिशाली देश इस तरह का संदेश देता है, तो उसका असर सीमाओं से परे जाता है। युद्ध केवल गोलियों और मिसाइलों से नहीं लड़ा जाता, वह विचारों और शब्दों से भी लड़ा जाता हैकृऔर ट्रंप के शब्द अक्सर आग में घी डालने का काम करते रहे हैं।

आज दुनिया जिन संकटों से जूझ रही है-यूक्रेन से लेकर मध्य पूर्व तक, एशिया से अफ्रीका तक, उनमें कहीं-न-कहीं महाशक्तियों की स्वार्थपूर्ण नीतियों की छाया है। ट्रंप का दौर इस प्रवृत्ति को और उग्र बनाता दिखाई दिया, जहां वैश्विक सहयोग के बजाय मैं पहले की मानसिकता हावी रही। शांति के नाम पर दबाव, सौदेबाजी और धमकी-यह त्रयी मानवता के लिए घातक है। जो नेता स्वयं को शांति का प्रतीक बताता है, उससे अपेक्षा होती है कि वह पुल बनाए, दीवारें नहीं; संवाद बढ़ाए, युद्ध नहीं; भरोसा पैदा करे, भय नहीं। इस तरह प्रश्न यही है कि क्या शांति पुरस्कार की आकांक्षा मात्र से कोई शांति-दूत बन सकता है? यदि जवाबदेही, सहमति और मानवीय मूल्यों के बिना शांति थोपने की कोशिश की जाए, तो वह शांति नहीं, एक नया संघर्ष जन्म देती है। ट्रंप की कार्यशैली इसी सच्चाई की गवाही देती है। आज जब मानवता युद्धों में अपने जीवन को खो रही है, तब शांति का ढोंग और भी क्रूर प्रतीत होता है। दुनिया को ऐसे नेतृत्व की जरूरत है जो शक्ति के प्रदर्शन से नहीं, बल्कि करुणा, न्याय और बहुपक्षीय सहयोग से शांति की राह प्रशस्त करे। अन्यथा शांति मसीहा होने का यह नाटक इतिहास में एक विफल और खतरनाक प्रयोग के रूप में ही दर्ज होगा।

लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं।
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

बहुत अच्छा आदमी...शहबाज शरीफ को साथ बिठाकर ट्रंप ने बांधे तारीफों के पुल

(एजेन्सी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच पर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को अपमानित किया और कहा कि जब शरीफ ने कहा कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध रोककर कम से कम 10 से 20 मिलियन लोगों की जान बचाई है, तो उन्हें गर्व महसूस हुआ। पिछले साल मई में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले के जवाब में भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर शुरू करने के बाद, जिसमें ज्यादातर पर्यटक सहित 26 लोगों की जान गई थी, भारत और पाकिस्तान चार दिनों तक चले भीषण संघर्ष में उलझे रहे। अन्य विश्व नेताओं के साथ 'बोर्ड ऑफ पीस' चार्टर पर हस्ताक्षर करते हुए, 79 वर्षीय रिपब्लिकन राष्ट्रपति ने अपने इस दावे को दोहराया कि उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल में आठ युद्धों को रोका है। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया एक साल पहले की तुलना में अधिक समृद्ध, सुरक्षित और अधिक शांतिपूर्ण है। हमने उन सभी आग को बुझाया। बहुत से लोग, जिनमें मैं भी शामिल हूं, यह नहीं जानते थे कि इनमें से कुछ युद्ध चल रहे थे... भारत और पाकिस्तान, दो परमाणु शक्ति संपन्न देशों के साथ शुरू हुए युद्ध को रोकने में हमें बहुत खुशी हुई। मुझे बहुत गर्व हुआ जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने भयानक घटनाएँ होने से ठीक पहले युद्ध को रोककर 10 और शायद 20 मिलियन लोगों की जान बचाई।

राष्ट्रपति के रूप में मैंने नौ महीनों में कंबोडिया और थाईलैंड, कोसोवो और सर्बिया, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और रवांडा, पाकिस्तान और भारत, इजराइल और ईरान,उन आठ युद्धों को समाप्त किया है और मिस्र और इथियोपिया; हम इस पर काम कर रहे हैं। ट्रंप ने शरीफ समेत अन्य सदस्यों के साथ 'बोर्ड ऑफ पीस' चार्टर पर हस्ताक्षर किए। 'बोर्ड ऑफ पीस' एक अंतरराष्ट्रीय संस्था है जो वैश्विक संघर्षों का समाधान करेगी और इजरायल-फिलिस्तीन युद्ध से तबाह हुए गाजा के पुनर्निर्माण की देखरेख करेगी। इस सप्ताह की शुरूआत में ट्रंप ने भारत को भी इस बोर्ड का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया था। चार्टर पर हस्ताक्षर करने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि यह संस्था गाजा को सैन्य मुक्त करने और उसका 'सुंदर' पुनर्निर्माण सुनिश्चित करेगी। गाजा संघर्ष के समाधान के बाद ट्रंप ने कहा कि उनका अगला लक्ष्य लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ 'कुछ करना' होगा।

अमेरिका में औसत घरेलू आय लगातार गिर रही!

(एजेन्सी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावोस में शेखी बघारी कि वे अमेरिका को फिर से महान और समृद्ध बना रहे हैं। अपने हमेशा के सीने को ठोकने वाले अंदाज में ट्रम्प ने झूठा दावा किया कि उनकी नीतियों और टैरिफ के कारण 18 ट्रिलियन डॉलर का निवेश हुआ है। हालांकि, वास्तविकता में, अमेरिकी उपभोक्ता ही उनके टैरिफ युद्ध का खामियाजा भुगत रहे हैं, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को और अमीर बनाओ के एजेंडे पर काम करते दिख रहे हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, रियल एस्टेट कारोबारी ने एक साल पहले पदभार संभालने के बाद से लगभग 1.4 बिलियन डॉलर (लगभग 12,810 करोड़ रुपये) की संपत्ति अर्जित की है, जिसमें उनके क्रिप्टोकरेंसी उद्यम भी शामिल हैं। जनवरी 2025 में व्हाइट हाउस में वापसी के बाद से, ट्रंप की संपत्ति में कम से कम $1,408,500,000 की वृद्धि हुई है। यह वृद्धि उनके व्यावसायिक हितों की नए सिरे से जांच और राष्ट्रपति पद का दुरुपयोग करने के आरोपों के बीच हुई है। इस आंकड़े तक पहुंचने के लिए, न्यूयॉर्क टाइम्स ने विभिन्न समाचार संगठनों के विश्लेषण का सहारा लिया। हालांकि, यह तो बस हिमबर्ग का एक छोटा सा हिस्सा हो सकता है, क्योंकि उनके कुछ लाभ सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं हैं।

इसे समझने के लिए, बता दें कि अमेरिका में औसत घरेलू आय, जो लगातार गिर रही है, लगभग $83,000 (76,70,860 रुपये) है। इस प्रकार, ट्रंप द्वारा मात्र 12 महीनों में अर्जित संपत्ति अमेरिकी घरेलू आय से 16,720 गुना अधिक है। राष्ट्रपति ने 20 अलग-अलग विदेशी परियोजनाओं के लिए 'ट्रम्प' नाम का लाइसेंस देकर लगभग 23 मिलियन डॉलर की एक बड़ी रकम अपनी जेब में डाली है। इनमें ओमान का एक लग्जरी होटल, सऊदी अरब का एक गोल्फ कोर्स और महाराष्ट्र का एक ऑफिस टावर शामिल है। पुणे में 'ट्रम्प वर्ल्ड सेंटर' भारत में ट्रम्प ब्रांड की पहली व्यावसायिक रियल एस्टेट परियोजना होगी। इससे ट्रम्प को 289 मिलियन डॉलर से अधिक की आय होने की उम्मीद है। दिलचस्प बात यह है कि कुछ महीने पहले, इसी ट्रम्प ने अपने टैरिफ और व्यापारिक नखरों के कारण भारत के साथ संबंधों में तनाव आने पर भारत को "मृत अर्थव्यवस्था" करार दिया था।

बांग्लादेश के हटने पर स्कॉटलैंड को मिल सकता है मौका

(एजेन्सी)।

जैसे-जैसे टी20 वर्ल्ड कप 2026 नजदीक आ रहा है, बांग्लादेश की भागीदारी को लेकर अनिश्चितता गहराती जा रही है। बता दें कि यह टूर्नामेंट भारत में आयोजित होना है और इसी को लेकर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने सुरक्षा संबंधी आपत्तियां जताई हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने बांग्लादेश के अनुरोध को खारिज कर दिया है, जिसमें उसने अपने मुकाबले श्रीलंका में कराने की मांग की थी। आईसीसी का साफ कहना है कि भारत के किसी भी आयोजन स्थल पर खिलाड़ियों, अधिकारियों या दर्शकों की सुरक्षा को लेकर कोई विश्वसनीय खतरा नहीं है और इसलिए मुकाबले तय कार्यक्रम के अनुसार ही होंगे। गौरतलब है कि बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए हुई आईसीसी बोर्ड बैठक में इस मुद्दे पर मतदान हुआ, जिसमें 16 में से 14 सदस्य देशों ने बांग्लादेश की मांग के खिलाफ वोट दिया। सिर्फ बांग्लादेश और पाकिस्तान ने स्थान परिवर्तन के प्रस्ताव का समर्थन किया। इसके बाद आईसीसी ने बांग्लादेश को अपनी स्थिति स्पष्ट करने के लिए एक दिन की अतिरिक्त मोहलत दी है। आईसीसी सूत्रों के मुताबिक, यदि बांग्लादेश अंतिम रूप से टूर्नामेंट से हटने का फैसला करता है, तो मौजूदा रैंकिंग के आधार पर स्कॉटलैंड को उसकी जगह शामिल किया जा सकता है। इससे पहले भी आईसीसी ने स्पष्ट किया है कि प्रतियोगिता की संरचना और समय-सारिणी में बदलाव की कोई योजना नहीं है। इस पूरे विवाद पर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम ने कहा है कि वह अब भी आईसीसी से किसी चमत्कार की उम्मीद कर रहे हैं।

इंडिगो के खाली स्लॉट के आवंटन के लिए सरकार ने आवेदन आमंत्रित किए

(एजेन्सी)।

सरकार ने इंडिगो के शीतकालीन उड़ान कार्यक्रम में कटौती किए जाने से खाली हुए स्लॉट पर घरेलू उड़ानों के संचालन के लिए अन्य एयरलाइंस से आवेदन और प्राथमिकताएं मांगी हैं। बृहस्पतिवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की तीन से पांच दिसंबर के बीच 2,507 उड़ानें रद्द हो गई थीं, जबकि 1,852 उड़ानें देर से रवाना हुई थीं। इन बाधाओं से देशभर के हवाई अड्डों पर तीन लाख से अधिक यात्री प्रभावित हुए थे।

इस व्यापक परिचालन गतिरोध के बाद नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इंडिगो के शीतकालीन उड़ान कार्यक्रम में 10 प्रतिशत की कटौती कर दी थी, जिसके चलते एयरलाइन को कई स्लॉट पर परिचालन बंद करना पड़ा। नागर विमानन मंत्रालय के बयान के मुताबिक, इंडिगो के खाली स्लॉट को आवंटित करने के लिए गठित समिति की 13 जनवरी को पहली बैठक हुई जिसमें पुनर्वितरण की प्रक्रिया और सिद्धांतों पर चर्चा की गई। विचार-विमर्श के बाद समिति ने इच्छुक एयरलाइंस से इन स्लॉट के लिए अपने अनुरोध और प्राथमिकताएं जमा करने को कहा है, जो कुछ शर्तों के अधीन होंगी। बयान के मुताबिक, एयरलाइंस को अपना आवेदन संबंधित हवाई अड्डा परिचालकों को भेजना होगा और स्लॉट के पुनर्वितरण पर अंतिम निर्णय भी वहीं से लिया जाएगा। इसमें शर्त है कि कोई भी एयरलाइन खाली स्लॉट का उपयोग करने के लिए अपनी मौजूदा उड़ानों को बंद नहीं कर सकेगी।

हालांकि, उद्योग जगत के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अधिकांश एयरलाइंस इन स्लॉट को लेने में दिलचस्पी नहीं दिखा रही हैं। इसकी वजह यह है कि इंडिगो मुख्य रूप से कम उपयोगी स्लॉट ही छोड़ रहा है, जिनमें से अधिकांश वाणिज्यिक रूप से आकर्षक नहीं हैं।

इंडिगो देश की सबसे बड़ी एयरलाइन है, जो प्रतिदिन 2,000 से अधिक उड़ानों का संचालन करती है। डीजीसीए ने दिसंबर की परिचालन बाधाओं के लिए इंडिगो पर कुल 22.20 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया था और सीईओ पीटर एल्बर्स सहित तीन वरिष्ठ अधिकारियों को चेतावनी भी दी थी।

धुरंधर ने बॉक्स ऑफिस पर रफ़्तार बनाए रखी है जबरदस्त

(एजेन्सी)। रणवीर सिंह की स्पाई थ्रिलर धुरंधर ने 5 दिसंबर, 2025 को रिलीज होने के बाद से बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त रफ़्तार बनाए रखी है, और अब यह एक हाई-प्रोफाइल डिजिटल डेब्यू की तैयारी कर रही है। भारत और विदेशों में सिनेमाघरों में सात हफ़्तों की लगातार सफलता के बाद, इंडस्ट्री का ध्यान अब फिल्म के आने वाले स्ट्रीमिंग लॉन्च पर है। जो दर्शक थिएटर में फि ल्म नहीं देख पाए, उन्हें इस महीने के आखिर में Netflix पर फिल्म आने पर इसे घर पर देखने का मौका मिलेगा। धुरंधर में रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, संजय दत्त, आर माधवन, अर्जुन रामपाल, राकेश बेदी, दानिश पंडोर और सारा अर्जुन जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं। जो फैन्स फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए, उन्हें जल्द ही इसे घर पर स्ट्रीम करने का मौका मिलेगा। कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, धुरंधर की डिजिटल रिलीज 30 जनवरी को होने वाली है, जो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म और फिल्म के स्टार दोनों के लिए एक बड़ा इवेंट है।

भा.कृ.अनु.प. गन्ना प्रजनन संस्थान, करनाल में पाँच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

क्लाइमेट स्मार्ट गन्ना खेती पर बिहार के 40 प्रगतिशील किसानों को दिया गया प्रशिक्षण

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी करनाल। भा.कृ.अनु.प.झ गन्ना प्रजनन संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, करनाल में ह्लक्लाइमेट स्मार्ट गन्ना खेतीह्व विषय पर आयोजित पाँच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बिहार के मझोलिया एवं नरकटियागंज (पटना) क्षेत्र से आए 40 प्रगतिशील गन्ना किसानों ने भाग लिया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि भा.कृ.अनु.प.झ गन्ना प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर के निदेशक डॉ. पी. गोविंदराज रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। केंद्र के अध्यक्ष डॉ. एम.एल. छाबड़ा ने मुख्य अतिथि का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा केंद्र की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. एम.आर. मीणा एवं सह-पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. रविंद्र कुमार तथा डॉ. पूजा ने किसानों को गन्ने के बीज उपचार, शुद्ध बीज उत्पादन, गन्ना रोग एवं कीट प्रबंधन, उन्नत गन्ना किस्मों तथा टिशू कल्चर तकनीक से उत्पादित पौधों के माध्यम से उत्पादन बढ़ाने की आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी। मुख्य अतिथि डॉ. पी. गोविंदराज ने बिहार से आए सभी किसानों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र एवं प्रशिक्षण स्मारिका प्रदान की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन एक बड़ी चुनौती है और इससे निपटने के लिए क्लाइमेट स्मार्ट गन्ना खेती को अपनाना आवश्यक है। उन्होंने बदलते जलवायु परिदृश्य में गन्ना उत्पादन की नवीन तकनीकों, संसाधन संरक्षण तथा किसानों की आय बढ़ाने के लिए संस्थान द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। डॉ. गोविंदराज ने किसानों को आश्वस्त किया कि संस्थान भविष्य में भी उन्हें हरसंभव तकनीकी सहायता प्रदान करता रहेगा और किसानों से केंद्र पर सीखी गई तकनीकों को अपने खेतों में अपनाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर केंद्र के अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन किसानों द्वारा अपने अनुभव साझा करने एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

पूंडरी शहर में चल रहे विकास कार्यों का विधायक सतपाल जांबा ने किया निरीक्षण, लापरवाही पर सख्त रुख

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार पूंडरी। विधानसभा पूंडरी के विधायक सतपाल जांबा ने पूंडरी शहर में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से शहर में चल रही सीवरेज परियोजना की प्रगति, गुणवत्ता और कार्यप्रणाली का गहनता से अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान विधायक जांबा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि विकास कार्यों में लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों और ठेकेदारों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर, गुणवत्ता मानकों के अनुरूप और पारदर्शिता के साथ पूरे किए जाएं।

विधायक सतपाल जांबा ने कहा कि मैं राजनीति में केवल सेवा भाव से आया हूं। पूंडरी मेरे सपनों का शहर है और इसे एक स्वच्छ, सुव्यवस्थित और विकसित शहर बनाना मेरा संकल्प है। विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि सीवरेज कार्यों के दौरान आमजन को होने वाली असुविधा को न्यूनतम रखा जाए, सड़कों की स्थिति पर विशेष ध्यान दिया जाए और प्रभावित क्षेत्रों में समय पर मरम्मत कार्य सुनिश्चित किए जाएं। निरीक्षण के दौरान विधायक ने मौके पर मौजूद नागरिकों से भी बातचीत की और उनकी समस्याओं व सुझावों को गंभीरता से सुना। क्षेत्रवासियों ने विधायक की सक्रियता, सख्त निगरानी और विकास के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना की।

स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्तमान विधायक के नेतृत्व में पूंडरी शहर में विकास कार्यों को नई गति मिली है और नियमित निरीक्षण से कार्यों की गुणवत्ता में सुधार देखने को मिल रहा है। नागरिकों ने विश्वास जताया कि आने वाले समय में पूंडरी शहर की बुनियादी सुविधाएं और अधिक सुदृढ़ होंगी।

महापौर रेनू बाला गुप्ता ने नगर निगम अभियंताओं के साथ की विकास कार्यों की समीक्षा

'टाईम लाईन में काम पूरा न करने वाली एजेंसियों पर होगी सख्त कार्रवाई'

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी करनाल। शहर में चल रहे विकास कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरे हों और उनकी गुणवत्ता बनी रहे, इसे लेकर गुरुवार को महापौर रेनू बाला गुप्ता ने नगर निगम अभियंताओं के साथ बैठक कर विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक में डी-प्लान, एमपी लैड तथा विधायक निधि योजना के तहत करवाए जा रहे कार्यों की प्रगति की भी विस्तार से जांच की गई।

महापौर ने अभियंताओं को निर्देश दिए कि सभी विकास कार्य तय टाईम लाईन में पूर्ण कराए जाएं और निर्माण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि एजेंसियों द्वारा उपयोग की जा रही सामग्री की नियमित जांच की जाए तथा निर्माण के दौरान सैम्पल लेकर उनकी गुणवत्ता की जांच अवश्य करवाई जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि विकास कार्यों में देरी करने वाली एजेंसियों को पहले नोटिस जारी किया जाए और उसके बावजूद कार्य शुरू न करने या लापरवाही बरतने पर संबंधित एजेंसी को ब्लैकलिस्ट किया जाए। ऐसी स्थिति में कार्य किसी अन्य सक्षम एजेंसी से पूरा कराया जाए।

महापौर ने कहा कि जो विकास कार्य 70 से 80 प्रतिशत तक पूर्ण हो चुके हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द मुकम्मल कराया जाए, ताकि नागरिकों को उनका लाभ मिल सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि किसी भी नए कार्य को शुरू करने से पहले उसकी फिजिबिलिटी जांचना अनिवार्य किया जाए। बैठक में उन्होंने जोर देते हुए कहा कि कोई भी विकास कार्य बीच में नहीं रुकना चाहिए और सभी कार्य निर्धारित समयावधि में पूरे होने चाहिएं। अभियंता निर्माण कार्यों पर पूरी निगरानी रखें और सुपरवाइजरों की फील्ड में उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। कार्यकारी अभियंताओं को भी समय-समय पर कार्यों की समीक्षा करने के निर्देश दिए गए। महापौर ने सीवरेज, स्टॉर्म वाटर निकासी तथा जलापूर्ति से संबंधित चल रहे कार्यों की भी समीक्षा की और कहा कि इनसे जुड़ी शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई की जाए।

बैठक में अधीक्षण अभियंता पुनीत कुमार, कार्यकारी अभियंता ओ.पी. करदम व प्रियंका सैनी, तकनीकी विशेषज्ञ सतीश शर्मा सहित सहायक एवं कनिष्ठ अभियंता उपस्थित रहे।

आलापुर थाना प्रभारी को दी गई भावभीनी विदाई

संजना भारती संवाददाता आलापुर। उत्तर प्रदेश राजपूत महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार हामिद अली खान राजपूत ने आलापुर थाने के प्रभारी रहे उदयवीर सिंह को इस्लामनगर का थाना प्रभारी बनाए जाने पर थाना आलापुर में एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें नगर के सैकड़ो समाज सेवी, प्रतिष्ठित डॉक्टर, पुलिस स्टाफ, गणमान्य व्यक्तियों ने माला पहनकर उनको भाव भीनी विदाई दी। उनके स्थान पर आए एसओजी प्रभारी माधो सिंह विष्ट का भी भव्य स्वागत किया। उदयवीर सिंह का कार्यकाल सराहनीय रहा उनके अच्छे कार्य के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा भी उनको पूर्व में सम्मानित किया जा चुका है।

आयोजित समाधान शिविर में डीसी अपराजिता ने सुनी आमजन की शिकायतें

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार कैथल। डीसी अपराजिता ने वीरवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित समाधान शिविर में नागरिकों को समस्याओं व शिकायतों को सुना। इस शिविर में 8 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें डीसी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। डीसी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार नागरिकों की शिकायतों का एक छत के नीचे तुरंत निदान करने के उद्देश्य से हर सप्ताह के सोमवार व वीरवार को सुबह 10 से 12 बजे तक जिला मुख्यालय के साथ साथ उपमंडल स्तर पर भी समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे है। नागरिक जिला मुख्यालय या संबंधित उपमंडल स्तर पर अपनी समस्या रख सकते है, जिन पर तुरंत कार्यवाही करते हुए समाधान करवाया जाएगा।

इन शिविरों में परिवार पहचान पत्र, राशन कार्ड, बिजली, प्रोपर्टी आईडी, कृषि, पुलिस आदि से संबंधित शिकायतें दी जा सकती हैं। शिविर में हर समस्या को गंभीरता के साथ सुना जाता है और मौके पर ही सम्बन्धित विभाग के माध्यम से समस्या का समाधान भी किया जाता है। इस अवसर पर एडीसी सुशील कुमार, सीईओ सुरेश राविश, सीटीएम गुरविंद्र सिंह, डीएसपी सुशील प्रकाश, ईओ संदीप कुमार के अलावा संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

गांव किसौल, घोग, नागल, माझला व सीवन में विभिन्न स्थानों पर

आमजन को पुलिस द्वारा नशे के दुष्परिणामों बारे अवगत करवाते हुए नशा ना करने बारे किया गया जागरूक

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार कैथल। नशा मुक्त हरियाणा मुहिम के तहत समाज को नशा मुक्त करने के उद्देश्य से एसपी उपासना के निर्देशानुसार चलाई जा रही मुहिम तहत पुलिस टीम द्वारा कैथल जिले में आमजन को नशे के दुष्परिणामों बारे लगातार जागरूक किया जा रहा है।

इसी मुहिम तहत जागरूकता टीम में शामिल इंस्पेक्टर साहिल, एसआई कर्मबीर, एएसआई ओमप्रकाश, एचसी सुनील कुमार, महिला सिपाही रेखा व सोनिया, तथा एसपीओ राजपाल, प्रदीप कुमार और जसविंदर की टीम द्वारा गांव किसौल, घोग, नागल, माझला व सीवन में विभिन्न स्थानों पर महिलाओं, बच्चों सहित अन्य व्यक्तियों को नशे के प्रति जागरूक करने के साथ साथ इस अभियान को सफल बनाने में आमजन से सहयोग की अपील की है।

पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि इस दौरान युवाओं सहित अन्य को बताया कि नशा करने वाला व्यक्ति खुद के साथ साथ अपने परिवार को भी बर्बाद कर देता है। मनुष्य के लिए नशे का सेवन किसी भी प्रकार से हितकारी नहीं है और नशे के कारण लाखों युवा जिंदगी खो चुके है और बहुत से परिवार बेघर हो गए है। नशे से शरीर व घर दोनो का नाश होता है। किसी को भी नशा नहीं करना चाहिए। युवाओं को खेल या अन्य गतिविधि में बेहतरीन कार्य करके अपने माता पिता, गांव समाज का नाम रोशन करना चाहिए।

नशा मुक्त व अपराध मुक्त समाज की स्थापना के लिए हम सभी को मिलकर कदम उठाने होंगे। पुलिस मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई कर रही है। मगर लोगों में नशा के खिलाफ जागरूकता पैदा करने तथा इस अभियान की शत प्रतिशत सफलता के लिए जन सहयोग अति आवश्यक है। आमजन नशे से संबंधित कोई भी सूचना पुलिस को दे। सूचना देने वाले का नाम पता गुप्त रखा जाएगा।

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

संजना भारती संवाददाता असन्ध। राष्ट्रीय आविष्कार सप्ताह के अंतर्गत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय असंध में जल संरक्षण से संबंधित एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा 6 से 12 तक के बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर स्कूल प्रधानाचार्य अजमेर सिंधु ने बच्चों को बताया कि जल ही जीवन है इसलिए हमें इसको आने वाले वंशावली के लिए बचाना बेहद आवश्यक है। इस अवसर पर इस कार्यक्रम के संयोजक गौरव कुमार ने बच्चों को जीवन में जल के महत्व के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। प्रतियोगिता में कक्षा बारहवीं की छात्रा पायल, कक्षा बारहवीं की छात्रा राधा और कक्षा सातवीं की छात्रा सोनाक्षी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर गौतम नायक, डॉक्टर भूपेंद्र सिंह, राजेश आदि उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस समारोह के सफल आयोजन के लिए परेड व सांस्कृतिक टीमों की रिहर्सल शुरू

संजना भारती संवाददाता असंध। उपमंडल स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह के सफल आयोजन के लिए गुरूवार को पी एम श्री राजकीय वरि. मा. विद्यालय असंध में रिहर्सल का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने परेड, पीटी शो व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी प्रस्तुति दी।

इस दौरान तहसीलदार नवजीत कौर बराड़ ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा परेड का अवलोकन किया तथा संबंधित स्कूलों के इंचार्ज को कहा कि कार्यक्रमों में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। तहसीलदार ने विभिन्न स्कूलों की एन सी सी प्लाटून, स्काउट एंड गाईड व पीटी शो सहित अन्य सभी की रिहर्सल का निरीक्षण किया तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रस्तुति देने वाली सभी टीमों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इस मौके पर उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों से कहा कि स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा अन्य कार्यक्रमों के बेहतर प्रदर्शन के लिए समुचित व्यवस्था करें। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस हमारा राष्ट्रीय पर्व है और बच्चों की प्रस्तुति भी इस पर्व की महत्वत्ता के अनुसार की जाए। इस मौके पर उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर संबंधित अधिकारियों के साथ विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि फाइनल रिहर्सल 24 जनवरी को असन्ध की नई अनाज मंडी में होगी।

संबंधित विभागों के अधिकारी व सभी स्कूल समय पर पहुंचना सुनिश्चित करें। इस मौके पर नायब तहसीलदार राधेश्याम चावला, प्रधानाचार्य पवन जिंदल, प्राध्यापक डॉ. भूपेंद्र सिंह, सुनील दुल व गोविंद सहित संबंधित स्कूलों के इंचार्ज मौजूद रहें।

विजिलेंस ब्यूरो ने 1,10,000 रुपये रिश्वत लेने के आरोप में वन गार्ड, दिहाड़ी मजदूर और प्राइवेट व्यक्ति को किया गिरफ्तार

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा चंडीगढ़। मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान की अगुवाई वाली पंजाब सरकार द्वारा अपनाई गई जीरो टॉलरेंस नीति के तहत पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने वन विभाग के दफ्तर जिला नवांशहर में तैनात वन गार्ड तेजिंदरपाल सिंह, वन विभाग के दफ्तर जिला नवांशहर में तैनात शमशेर सिंह (दिहाड़ी मजदूर) और जिला एस.बी.एस. नगर के निवासी चाय बेचने वाले अमरजीत थिंद को 1,10,000 रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

यहां यह जानकारी देते हुए राज्य विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि यह गिरफ्तारी मुख्यमंत्री के भ्रष्टाचार विरोधी एक्शन लाइन पोर्टल पर दर्ज शिकायत के बाद की गई है। इस शिकायत की जांच के दौरान यह बात सामने आई कि ब्लॉक ऑफिसर चिराग लखोतरा ने तेजिंदरपाल सिंह (वन गार्ड) और शमशेर सिंह (दिहाड़ी मजदूर) के साथ मिलकर शिकायतकर्ता मुहम्मद सलीम, जो वन विभाग की जमीन पर गैर-कानूनी माइनिंग में शामिल था, की तीन गाड़ियां (टिप्पर, जे.सी.बी. और मोटरसाइकिल) जब्त कर लीं और उसकी गाड़ियां वन विभाग के दफ्तर, नवांशहर ले आए। उन्होंने आगे कहा कि ब्लॉक ऑफिसर चिराग लखोतरा ने शमशेर सिंह (दिहाड़ी मजदूर) के माध्यम से शिकायतकर्ता मुहम्मद सलीम को 6,00,000 रुपये का भारी जुमार्ना लगाने की धमकी दी और शिकायतकर्ता के खिलाफ कार्रवाई न करने तथा उसकी जब्त की गई गाड़ियां छोड़ने के बदले 1,50,000 रुपये की रिश्वत मांगी। शमशेर सिंह के सहयोगी अमरजीत थिंद (चाय बेचने वाला) ने मांगी गई उक्त राशि में से 70,000 रुपये (45,000 रुपये नकद और 25,000 रुपये यूपीआई के माध्यम से) प्राप्त किए। प्रवक्ता ने आगे बताया कि शिकायतकर्ता ने दोबारा उक्त यूपीआई खाते में 40,000 रुपये ट्रांसफर किए। इस प्रकार, कुल 1,10,000 रुपये की राशि शमशेर सिंह के सहयोगी चाय बेचने वाले अमरजीत थिंद को दी गई थी। इसके बाद, शमशेर सिंह ने शिकायतकर्ता को बाकी 40,000 रुपये का भुगतान करने के लिए कहा, जो अभी तक प्राप्त नहीं हुए थे।

कबड्डी, फिजिक, क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए खिलाड़ी 27 से 29 जनवरी तक विभिन्न स्थानों पर दें ट्रायलः डीएसओ राज रानी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार कैथल। जिला खेल अधिकारी राज रानी ने बताया कि अखिल भारतीय सिविल सेवा पुरुष व महिलाओं की कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन 9 फरवरी से 14 फरवरी तक कबड्डी ग्राउंड, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, सेक्टर 42 चंडीगढ़ में किया जा रहा है। अखिल भारतीय सिविल सेवा पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजन 17 से 26 फरवरी तक भारत नगर क्रिकेट ग्राउंड, अशोक विहार, विकासपुरी क्रिकेट ग्राउंड जी-ब्लॉक न्यू दिल्ली, केंद्रीय सचिवालय क्रिकेट ग्राउंड विनय मार्ग चाणक्यपुरी, एसबीवी शाकुपुर क्रिकेट ग्राउंड ब्रिटानिया चौक दिल्ली में किया जाएगा। अखिल भारतीय सिविल सेवा फिजिक प्रतियोगिता पुरुष 2025-26 तक त्यागराज स्टेडियम न्यू दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। इसमें हरियाणा की ओर से भाग लेने वाले खिलाड़ियों का चयन 27 से 29 जनवरी तक विभिन्न स्थानों पर किया जाएगा।

जिला खेल अधिकारी ने बताया कि कबड्डी प्रतियोगिता के लिए सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम, पलवल में 27 जनवरी को पुरुष तथा 28 जनवरी को महिलाओं का चयन किया जाएगा। क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए चयन 29 जनवरी को कर्ण स्टेडियम करनाल में होगा। फिजिक प्रतियोगिता के लिए चयन 29 जनवरी को छोटू राम स्टेडियम रोहतक में किया जाएगा।

इच्छुक उत्कृष्ट खिलाड़ी सरकारी अधिकारी व कर्मचारी निर्धारित स्थानों पर ट्रायल हेतू सुबह 10 बजे पहुंचना सुनिश्चित करें। खिलाड़ी अपने विभाग, कार्यालय, जिला के अधिकारियों, कर्मचारियों को ये प्रमाण-पत्र भी दें कि वे अमूक विभाग व कार्यालय के सरकारी अधिकारी व कर्मचारी हैं। इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए आने व जाने का किराया संबंधित विभाग व खिलाड़ियों द्वारा वहन किया जाएगा। इसमें भाग लेने वाले अधिकारी व कर्मचारी टीए व डीए अपने विभाग से लेंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि केंद्रीय सिविल सेवा सांस्कृतिक एवं खेल बोर्ड की हिदायतों के अनुसार रक्षा सेवाओं, अर्धसैनिक बलों, केंद्रीय पुलिस संगठनों, पुलिस, आरपीएफ, सीआईएसएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी और एनएसजी के वर्दीधारी कर्मी, स्वायत्त निकायों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के कर्मचारी, दिहाड़ी एवं कैजुअल श्रमिक, अस्थायी ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी तथा नए भर्ती हुए कर्मचारी, जिन्होंने नियमित सेवा में छह महीने से कम समय पूरा किया हो, वे कर्मचारी इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पात्र नहीं होंगे।

मंसूरचक : भूकंप सुरक्षा पखवाड़ा का आयोजन

एसबी ब्यूरो मंसूरचक(बेगूसराय)। मंसूरचक परियोजना में भूकंप सुरक्षा पखवाड़ा के तहत 22 जनवरी को मंसूरचक परियोजना में आंगनवाड़ी सेविकाओं को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया।

इस परीक्षण का आयोजन समन्वयक अजय वत्स, आपदा प्रबंधन शाखा बेगूसराय के द्वारा दिया गया। भूकंप आने की स्थिति में किस तरह जान और माल का कम से कम नुकसान हो सके कैसे समुदाय के लोगों को अवगत किया जाए और भूकंप के बाद की क्या कार्रवाई हो इस बारे में बताया गया। प्रशिक्षण बाल विकास परियोजना कार्यालय में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में सभी महिला पर्यवेक्षिका और प्रखंड समन्वयक भी उपस्थित थे। अजय वत्स ने प्रैक्टिकल कर के एक एक कदम को बताया जो भूकंप आने की स्थिति में किया जाए। मौके पर कई अन्य मौजूद थे।

बच्चों में त्वचा संबंधी दिक्कतें

बच्चों की त्वचा इतनी नाजुक होती है कि हल्की-सी खरोंच या रैश उन्हें बहुतही परेशानी वाली स्थिति में डाल देती है। याद रखें कि नवजन्मे बच्चों में रैशेज का खतरा अधिक रहता है। ऐसे रैशेज में से अधिकतर नुकसानदायक नहीं होते और कुछेक दिनों के अंतराल पर चले जाते हैं, फिर भी बच्चों की त्वचा संबंधी कुछ समस्याएं हैं जिन पर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है।

इस अपरिहार्य समस्या के कारण बच्चे को और माता-पिता को रात भर जागना पड़ सकता है। बच्चे के डाइपर वाले हिस्से की अक्सर जांच करते रहना पड़ती है। यदि वहां पर लाली महसूस हो तो तुरन्त डाइपर रैश क्रीम लगाएं और उस हिस्से को जितना संभव हो सके खुला और सूखा रखें। इस बात को तय करें कि डाइपर न तो बहुत ढीला हो और न ही इसे बच्चे को लंबे समय तक पहनाया जाए। जब जरूरत समझें तब इसे बदल दें।

मुहांसे: बच्चे के चेहरे पर दिखने वाले छोटे-छोटे मुहांसे एक बहुत ही आम समस्या है और ये कुछ ही दिनों में चले जाते हैं। इन पर कुछ भी लगाने से पूरी तरह परहेज करें।

बर्थ मार्क्स: बर्थ मार्क्स बच्चों में बहुत ही आम होते हैं। जब बच्चा पैदा होता है तब और जन्म के कुछ हफ्तों या महीनों तक ये निशान रह सकते हैं।

एग्जीमा: जिन बच्चों के परिवार में अस्थमा या एलर्जी की हिस्ट्री होती है, उनमें खुजली पैदा करनेवाली एग्जीमा की समस्या अधिक पाई जाती है। यह आम तौर पर चेहरे पर उभरती है परन्तु इसे अक्सर इसे कोहनियों, छाती या बांहों पर भी पैदा होते देखा जाता है। धीरे-धीरे यह सूखी और खुरदरी हो जाती है। इस किस्म के रैश आमतौर पर साबुनों, लोशनों या बच्चे के कपड़े धोने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले डिटर्जेंट के एलर्जिक रिएक्शन के तौर पर भी बढ़ते हैं।

रूखी त्वचा

अधिकतर नवजन्मे बच्चे रूखी त्वचा के साथ पैदा होते हैं। उनके जन्म के कुछ दिनों बाद यह त्वचा खुद ही उतरने लगती है। यह आम तौर पर जल्दी ही रुक जाती है परन्तु इसके कारण यदि आपको चिंता हो तो किसी जच्चा-बच्चा विशेषज्ञ से अवश्य सलाह लें।

गुलाबी-लाल रंग वालधब्बे

ये हल्के गुलाबी-लाल रंग वाले धब्बे पसीने के कारण पैदा होते हैं और गर्दन, डाइपर वाले हिस्से तथा बगलों में दिखाई देते हैं। जितना संभव हो सके अपने बच्चे को कूल और सूखा रखें। उसे ढीले-ढाले सूती कपड़े पहनाएं। बच्चे की त्वचा पर पाऊडर के अधिक उपयोग से बचें। बेबी पाऊडर के छोटे-छोटे दाने सांस के द्वारा बच्चे के अंदर जा सकते हैं, जिससे उन्हें असुखद महसूस हो सकता है। जब तक आपका बच्चा 4 से 6 महीने तक का न हो जाए तब तक उसके शरीर पर पाऊडर का इस्तेमाल करने से बचें।

मसल्स बनाने है तो ले संतुलित आहार

मांसपेशियों के सही ढंग से काम करने के लिए प्रोटीन, मिनरल्स विटामिन्स और कार्बोहाइड्रेट का बहुत महत्व होता है। इसलिए फिट रहने के लिए जिम करने वाले को न्यूट्रीशन्स से भरपूर डाइट लेनी चाहिए। मसल्स बनाने के लिए संतुलित भोजन की आवश्यकता होती है। इसके अलावा प्रोटीन शेक या सप्लीमेंट्स का सहारा न लें क्योंकि इसके अधिक नुकसान हैं।

तेज बुखार से कैसे पाएं राहत...

जब हमारे शरीर पर कोई बैक्टीरिया या वायरस हमला करता है तो शरीर खुद ही उसे मारने की कोशिश करता है। इसी मकसद से शरीर जब अपना तापमान सामान्य 98.3 डिग्री फॉरनहाइट से ज्यादा बढ़ाता है तो उसे बुखार कहा जाता है। हालांकि कई बार बुखार थकान या मौसम बदलने आदि की वजह से होता है। ऐसे में 100 डिग्री तक बुखार में किसी दवा आदि की जरूरत नहीं होती।

रेयर डिजीज से बचाएं बच्चों को...

दुर्लभ बीमारियों के शिकार अक्सर छोटे और कम उम्र के बच्चे होते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों के शरीर में किसी भी तरह की अजीब हरकत या असाधारण व्यवहार जैसे अगर बच्चे का विकास न हो रहा हो, वह ज्यादा चिड़चिड़ा रहने लगा हो, उसे दौरे आते हों, शरीर से अजीब-सी गंध आती हो, बालों के रंग में बदलाव होने लगे, देखने में परेशानी हो, उम्र के हिसाब से उसमे विकास दिखाई न दे तो फौरन डॉक्टर से संपर्क कर आवश्यक जांचें करा लेनी चाहिए। रेयर डिजीज यानी दुर्लभ बीमारियां उन्हें माना जाता है, जो कभी-कभार ही देखने को मिलती हैं, लेकिन बच्चों को लेकर हमाशा जागरूक रहने की जरूरत है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार ऐसी बीमारियां 10 हजार में से छह लोगों में ही देखने को मिलती हैं। इनमें से ज्यादातर बीमारियां आनुवांशिक होती हैं। इनसे ग्रसित बच्चों में से 30 प्रतिशत बच्चे 5-7 वर्ष की उम्र से पहले ही मौत का शिकार हो जाते हैं। दुर्लभ बीमारियों से ग्रसित बच्चों का मानसिक व शारीरिक विकास प्रभावित होता है। एक ही परिवार में कई लोगों को एक जैसा विकार हो सकता है। इसलिए इन दुर्लभ बीमारियों को जन्म के शीघ्र बाद ही पहचान कर इलाज करा लेना चाहिए। फिलहाल इन बीमारियों के इलाज के लिए जीन थैरेपी, एंजाइम थैरपी व स्टेम सेल ट्रीटमेट पर शोध किया जा रहा है। कुछ दुर्लभ बीमारियां ऐसी भी हैं जो इन दिनों बहुत देखने में आ रही हैं।

ऑसिफिकेंस प्रोगरेसिवा

ऑसिफिकेंस प्रोगरेसिवा से ग्रस्त बच्चों में हड्डी वहां बनना शुरू हो जाती है, जहां सामान्यतया मांसपेशियां होती हैं। इसमें बच्चे के शरीर के विभिन्न हिस्सों में मांसपेशियों में गांठें दिखने लगती हैं और इसकी शुरुआत कभी-कभी छोटी चोट लगने के बाद होती है। ऐसे बच्चे 30 की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते चलने-फिरने में असमर्थ हो जाते हैं और बार-बार निमोनिया से ग्रसित होते हैं। इसके उपचार के लिए प्रेडनिसोलोन दवा का प्रयोग किया जाता है और बच्चे को बार-बार चोट लगने से बचाना होता है।

एकोन्ड्रोप्लेसिया

एकोन्ड्रोप्लेसिया बीमारी एक दुर्लभ बीमारी है जो 25 हजार में से किसी एक बच्चे को होती है। ऐसे बच्चों की लंबाई बहुत कम रह जाती है। इन बच्चों का चेहरा बीच से छोटा व नाक चपटी होती है। इनकी रीढ़ की हड्डी ज्यादा झुकी हुई होती है। कान में बार-बार संक्रमण का खतरा रहता है और सिर में पानी भरने की आशंका भी रहती है। इसके इलाज के लिए जीन थैरपी व सीएनपी दवा का प्रयोग किया जा रहा है। हालांकि अभी तक इसमें सफलता नहीं मिली है।

ड्यूकन मसक्यूलर डिस्ट्रॉफी

ड्यूकन मसक्यूलर डिस्ट्रॉफी मांसपेशियों की बीमारी है जो सिर्फ लड़कों में ही दिखाई देती है। इस बीमारी में एक्स क्रोमोसोम में डिस्ट्रोफिन जीन विकार हो जाता है।

इस रोग के लक्षण बच्चों में 2-3 साल के बाद दिखने लगते हैं। सबसे पहले पैरों की मांसपेशियां कमजोर होती हैं फिर 10 वर्ष की उम्र तक बच्चा चलना-फिरना बंद कर देता है। ऐसे बच्चों का दिमागी व सामान्य विकास भी प्रभावित होता है। इसके लिए स्टेम सेल या जीन थैरेपी पर प्रयोग चल रहे हैं।

जन्मजात थायरॉइड की कमी

जन्मजात थायरॉइड की कमी थायरॉइड हार्मोन की कमी से होती है। इसके लक्षण हैं ज्यादा सोना, पीलिया, शरीर का तापमान कम होना और थकावट आदि। इसके इलाज के लिए थायरॉइड की दवाएं दी जाती हैं।

बायोटिनीडेज डेफीशियंसी

बायोटिनीडेज डेफीशियंसी यह रोग बायोटिन यानी विटामिन- बी7 की कमी के कारण होता है। इसमें व्यावहारिक व दिमागी क्षमता में कमी, दौरे आना, दस्त, त्वचा रोग, बार-बार संक्रमण, शारीरिक कमजोरी व बाल झड़ना यह लक्षण पाए जाते हैं। इसका इलाज है विटामिन- बी7 दवा।

आवश्यक जांचें कराएं

नवजात शिशुओं में दुर्लभ बीमारियों का समय रहते पता लगाने के लिए विशेष जांच प्रक्रियाएं हैं। प्रसव के बाद नवजात शिशु के शरीर से खून की कुछ बूंदे फिल्टर पेपर पर ले ली जाती हैं और कई बीमारियों के लिए टेस्ट किया जाता है। इसका प्रयोग कई दुर्लभ, आनुवांशिक एवं मेटाबॉलिक डिजीज का पता लगाने के लिए किया जाता है। सभी नवजात बच्चों में जन्मजात थायरॉइड की कमी, कन्जानाइटल एड्रिनल हाइपरप्लेसिया, जी-6 पीडी की कमी, ग्लेक्टोसीमिया और बायोटिनीडेज की कमी की जांचें करवा लेनी चाहिए। इन सबके अलावा बच्चों में कोई भी असाधारण लक्षण देखकर तुरंत डॉक्टर की मदद लें।

प्रुन बैली सिन्ड्रोम

प्रुन बैली सिन्ड्रोम 40 हजार में से एक बच्चे में देखने को मिलती है। यह बीमारी ज्यादातर लड़कों को होती है। इन बच्चों की मुख्य समस्या पेशाब के रास्ते में रूकावट से होती है। इनके पेट के ऊपर की मांसपेशियां पूर्णतया विकसित न होने से पेट आगे निकला होता है और इनके टेस्टीज भी पेट में होते हैं।

प्रोजिरिया

प्रोजिरिया में बचपन में ही बच्चा बूढ़ा दिखने लगता है। इस बीमारी की आशंका 80 लाख बच्चों में से किसी एक को होती है। यह बीमारी एलएमएनए जीन में बदलाव से होती है। जन्म के बाद इन बच्चों का वजन अपनी उम्र के अन्य बच्चों की तुलना में कम बढ़ता है और चमड़ी मोटी हो जाती है, बाल झड़ने लगते हैं, दिखना कम हो जाता है और चेहरे पर झुर्रियां पड़ जाती हैं।

त्वचा के नीचे वसा व मांसपेशियां कम हो जाती हैं। ये लक्षण 6-7 साल की उम्र तक दिखने लग जाते हैं।

इस रोग के उपचार के लिए मोरफालिनोस लोनाफार्निब, रेपामाइसिन, ग्रोथ हार्मोन आदि दवाओं का उपयोग किया जाता है लेकिन अभी इसके इलाज में पूर्णतया सफ लता नहीं मिल पाई है।

फिनाइल किटोन यूरिया

फिनाइल किटोन यूरिया एक आनुवांशिक बीमारी है। बच्चों में एंजाइम्स की कमी होने पर वह अमीनो एसिड पचा नहीं पाते और जब यह शरीर में एकत्र होता रहता है तो फिनाइल किटोन यूरिया की समस्या हो जाती है। इस बीमारी में नवजात जन्म के समय सामान्य होता है। अमीनो एसिड के जमा होने से धीरे-धीरे नवजात का विकास रूक जाता है, दिमागी कमजोरी आती है और पेशाब में गंध आने लगती है। यदि इस रोग का समय रहते पता चल जाए तो बच्चे का विकास सामान्य हो सकता है। इससे बचने के लिए अमीनो एसिड रहित विशेष प्रकार का दूध दिया जाता है। यह मार्केट में आसानी से उपलब्ध होता है।

बॉडी स्वैलिंग हटाने के लिए खाएं ये सब्जियां

शरीर में सूजन होने के बहुत सारे कारण हो करते है। वक्त रहते अगर इस पर ध्यान न दिया जाए तो यह परेशानी बहुत बढ़ सकती है। इसके बहुत से कारण हो सकते है जैसे की शरीर में खून की कमी होना,पेट की गड़बड़ी या फिर खान-पान में लापरवाही।आज हम आपको सूजन की रोकथाम के लिए कुछ खास आहार बता रहें है, जिसे आप अपनी दिनचर्या में शामिल करके इस समस्या से निजात पा करते है।

चुकंदर
इसमें विटमिन सी और फाइबर के गुण होते हैं और इसमें ऐंटिऑक्सिडेंट पाया जाता है।यह सूजन कम करने में मददगार है।

अदरक और हल्दी
यह हमारे शरीर के इम्यून सिस्टम को बढ़ाता हैं और रोगों से लड़ने में मदद करता हैं।

टमाटर
टमाटर में लाइकोपेन होता है जो फेफड़ों और पूरे शरीर की सवैलिंग को रोकता है।

लो फैट भोजन
कैल्शियम और विटमिन डी से वाले आहार लाभदायक होते है।

सोया
सोया खाने से सूजन कम हो जाती है। अपनी रोजाना की डाइट में सोया मिल्क और टोफू शामिल करना चाहिए।

सूखे मेवे
बादाम और अखरोठ में बहुत ज्यादा फाइबर, कैल्शियम और विटमिन ई पाया जाता है जो शरीर को सूजन से बचाता है।

हरी पत्तेदार सब्जियां
हरी पत्तेदार सब्जियां ब्रोकली, पत्तागोभी, पालक काफी लाभदायक होते है।

साबुत अनाज
साबुत अनाज में फाइबर काफी मात्रा में होता है। यह शरीर की सूजन कम करने में मदद करता है। साबुत अनाज के तौर पर आप, चावल, बाजरा, वीट ब्रेड भी खा सकते हैं।

मछली
मछली में ओमेगा 3 फैटी ऐसिड पाया पाया जाता है। जिससे शरीर की सूजन काफी कम रहती है।

ये बीमारियां बन सकती हैं ब्रेन हेम्रेज का कारण

बीमारी जो भी हो, उसकी सही समय पर पहचान और उपचार होना चाहिए। लेकिन कई बीमारियां ऐसी होती हैं, जो अगर सही समय पर पहचान या उपचारित ना की जाएं तो जानलेवा साबित हो सकती हैं। ऐसी ही कुछ बीमारियां हैं जो दबे पाओं शरीर में घर कर लेती हैं और एक दिन ब्रेन हेम्रेज का कारण बन जाती हैं। इन्हें साइलेंट किलर डिजीज बी कहा जाता है। इन बीमारियों से हार्ट अटैक, ब्रेन हेम्रेज के साथ अंधे होने की तक की आशंका रहती है।

डायबिटीज

आमतौर पर यह बीमारी किसी मनुष्य को दो रूपों में परेशान करती है, टाइप 1 और टाइप 2 डायबिटीज। टाइप-1 डायबिटीज में शरीर के अंदर इंसुलिन बनना बंद हो जाता है। वहीं टाइप-2 डायबिटीज में शरीर बने हुए इंसुलिन का ठीक से प्रयोग कर पाने में असफल हो जाता है। लगभग 90 प्रतिशत लोग टाइप-2 डायबिटीज के शिकार होते हैं।

प्रमुख कारण व लक्षण

डायबिटीज के मुख्य कारणों में आनुवांशिक कारण, शारीरिक श्रम की कमी, अधिक कार्बोहाइड्रेटयुक्त भोजन का सेवन, अधिकांश समय घर के भीतर ही रहना आदि हैं। इसके लक्षणों में तेजी से घटता वजन, थकान, अत्यधिक प्यास लगना, घाव जल्दी न भरना, पैरों में झनझनाहट होना, आंखों में धुंधलापन आदि शामिल होते हैं।

क्या हैं खतरे

इस बीमारी के गंभीर होने की स्थिति में आंखों में अंधापन, दिमाग को लकवा, किडनी फेल्योंर, आंखों में अंधापन, हृदय संबंधी बीमारियां आदि का खतरा होता है।

रोग के मुताबिक होता इलाज

मरीज के रोग की स्थिति व गंभीरता के हिसाब उसे दवाएं व इंसुलिन के इंजेक्शन दिए जाते हैं। साथ ही जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव की सलाह दी जाती है।

क्या है बचाव

40 साल की आयु हो जाने के बाद समय-समय पर चिकित्सा जांच अवश्य कराएं। संतुलित आहार लें, नियमित व्यायाम करें व टहलें। नियमित व्यायाम जरूरी डायबिटीज से बचने व इससे डील करने में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

हाई ब्लड प्रेशर

हाई ब्लड प्रेशर के दो मुख्य कारण होते हैं। पहला प्राइमरी, जिसमें समस्या या तो आनुवांशिक कारणों से होती है या फिर तनाव के कारण। लगभग 90 प्रतिशत लोगों में यह बीमारी प्राइमरी कारणों से ही होती है। सकेंडरी कारण में, किसी अन्य अंग के विकार के कारण व्यक्ति हाई ब्लडप्रेशर का शिकार हो जाता है। हालांकि ऐसा केवल 10 प्रतिशत लोगों में देखा जाता है। इस रोग के कोई स्पष्ट लक्षण नहीं होते हैं।

क्या खतरे होते हैं

इस रोग के गंभीर मामलो में ब्रेन हेम्रेज, हार्ट अटैक, किडनी फेल्योंर, आंखें खराब होने वाला लकवा आदि होने की आशंका होती है।

क्या है इलाज

मरीज की जांच आदि कर फैमिली हिस्ट्री, उम्र, जुड़ी हुई बीमारियां व शारीरिक प्रकृति देखकर रोगी दवा दी जाती है। और जीवनशैली से जुड़े जरूरी बदलाव करने की सलाह दी जाती है।

कैसे करें बचाव

प्रतिदिन 5 ग्राम से अधिक नमक का सेवन न करें, अधिक चिकनाईयुक्त पदार्थ न खाएं, घी व नॉनवेज, तेज मसालों और फास्ट फूड आदि से परहेज करें। फल व सलाद को डाइट में शामिल करें। व्यायाम व मेडिटेशन को अपनी दैनिक क्रिया बनाएं।

उपरोक्त के अलावा थायरॉइड का बिगड़ा रूप भी ब्रेन हेम्रेज व अन्य गंभीर समस्याओं का कारण बन सकता है। बदलती जीवनशैली और शरीर में एंटीबॉडीज बनने से यह रोग होता है। बदलती जीवनशैली इसका मुख्य कारण है, अतः इससे बचने के लिए खान-पान व दिनचर्या में सकारात्मक बदलाव करें।

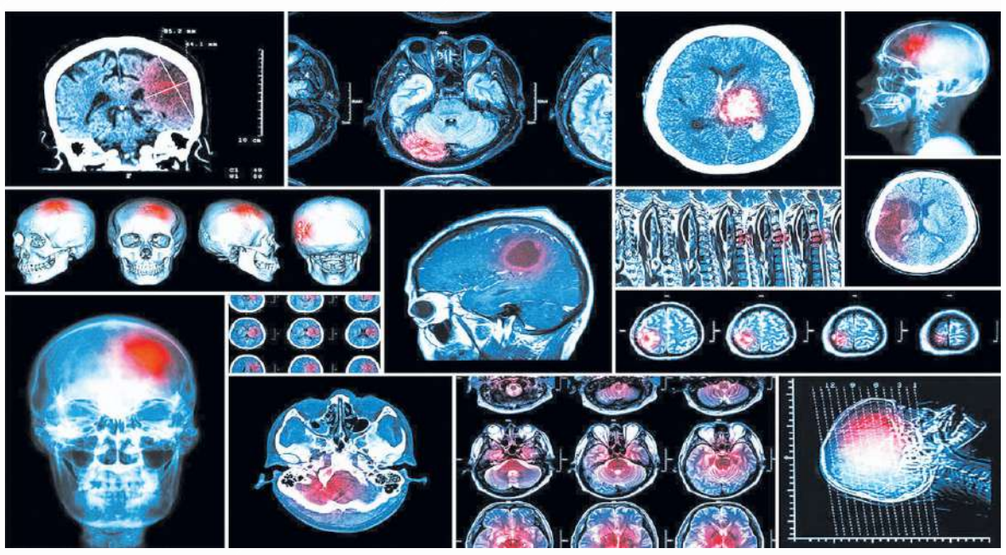

रेसिपी

वालनट ब्राउनिज

सामग्री

1/2 कप (100 ग्राम) मक्खन, 175 ग्राम ब्राउन शुगर, 2 अंडे, 1 टी स्पून वनीला एसेंस या रम, 1/2 कप मैदा, 1/5 टी स्पून बेकिंग पाउडर, 1/2 कप कोको पाउडर, 75 ग्राम अखरोट के छोटे-छोटे टुकड़े।

विधि

मक्खन को धीमी आंच पर पिघलाएं। फिर उसमें ब्राउन शुगर डालकर लकड़ी के चम्मच से अच्छी तरह मिलाएं। एक अंडा डालकर दोबारा अच्छी तरह मिलाएं। दूसरा अंडा डालकर फिर से मिलाएं। 1 टी स्पून वनीला एसेंस या 1 टी स्पून रम मिलाएं। मैदे में बेकिंग पाउडर और कोको पाउडर मिलाएं। 2 टेबल स्पून अखरोट हटाकर अलग रखें और बचे हुए अखरोट मैदे में मिला दें। फिर मैदे को मक्खन मिश्रण में मिलाएं। अब मैदा मिश्रण को चिकनाई लगी मध्यम आकार की ट्रे या 8 इंच चौकोर टिन में डालकर 1 इंच मोटी परत बिछाएं। बचे हुए अखरोट उसके ऊपर डालें। फिर 180 डिग्री सेंटीग्रेड पर पहले से गर्म किए हुए अवन में आधा घंटे बेक करें। ठंडा करके चौकोर टुकड़ों में काटकर सर्व करें।

ऑरेंज लेमन कसटर्ड

सामग्री

3 बड़े चम्मच लेमन कस्टर्ड पाउडर, आधा कप चीनी, 750 मिली दूध, एक संतरा छीला हुआ, 8-10 स्ट्रॉबेरी, 2 कीवी फ्रूट्स कटे हुए, एक मौसमी छीली हुई, 1 चम्मच पिसी चीनी, 1 छोटा चम्मच नीबू का रस, 1 चम्मच ऑरेंज कैंडी।

विधि

कस्टर्ड पाउडर को आधा कप ठंडे दूध में घोल लें। बाकी दूध को चीनी के साथ उबालें। उबलते दूध में कस्टर्ड पाउडर डालकर हलकी आंच पर लगातार चलाते हुए गाढ़ा होने तक पकाएं। ठंडा करने के लिए एक तरफ रखें। अब इसमें संतरा डालें। कटे हुए कीवी व स्ट्रॉबेरी में पिसी चीनी व नीबू का रस मिलाएं। ठंडे फलों को 4 ग्लासों में डालकर ऊपर से तैयार कस्टर्ड से भरें। ऊपर से ऑरेंज कैंडी व छोटे कटे स्ट्रॉबेरी व कीवी से सजाकर फ्रिज में सेट होने के लिए रखें। ठंडा-ठंडा सर्व करें।